# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 6 जुलाई, 1977

## (द्वितीय बैठक)

### खंड 1, अंक 4

### अधिकृत विवरण

## विशय सूची

### बुधवार, 6 जुलाई, 1977

पृश्ठ संख्या


| | |
|---|---|
| अध्यक्ष द्वारा घोशणा– | |

| | |
|---|---|
| याचिका–समिति | (4)1 |
| नियम 15 के अधीन प्रस्ताव | (4)1 |
| नियम 16 के अधी प्रस्ताव | (4)2 |
| राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ) | (4)2 |
| व्यक्तिगत स्पश्टीकरण–राव बीरेंद्र सिंह द्वारा | (4)29 |
| राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ) | (4)30 |
| दि बीरेंद्र नारायण चकवर्ती यूनिवर्सिटी, कुरूक्षेत्र (अमैंडमैंट बिल), 1977 | (4)41 |
| दि रोहतक यूनिवर्सिटी (सैकिण्ड अमैंडमैंट) बिल, 1977 | (4)44 |
| दि हरियाणा कैनाल एंड ड्रेनेज (अमैंडमैंट) बिल, 1977 | (4)46 |
| दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एंड पैं ान आफ मैम्बर्ज) सैकिंड अमैंडमैंट बिल, 1972 | (4)47 |
| दि हरियाण अर्बन (कंट्रोल आफ रैण्ट एंड एविक ान) अमैंडमैंट बिल, 1977 (पुरः स्थापित नही किया गया) | (4)49 |

# हरियाणा विधान सभा

## बुधवार, 6 जुलाई, 1977

## (द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 14:00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

## अध्यक्ष द्वारा घोशणा

## याचिका–समिति

**Mr. Speaker:** Under Rule 286(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Committee on Petitions-

1. Shri Vijai Pal Singh, (Deputy Speaker), Ex-Officio Chairman.

2. Chaudhri Rizaq Ram

3. Shri Baldev Tayal.

4. Shri Jagjit Singh Pohlu.

5. Chaudhri Hari Chand Hooda.

## नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

**Irrigation and Power Minister** (Srhi Verendar Singh) : Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provision of the Rule 'Sitting of the Assembly' indefinitely.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provision of the Rule 'Sitting of the Assembly' indefinitely.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provision of the Rule 'Sitting of the Assembly' indefinitely.

The motion was carried.

## नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

**Irrigation and Power Minister** (Shri Verendar Singh) : Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned Sine-die.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned Sine-die.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned Sine-die.

The motion was carried.

## राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

**Mr. Speaker:** The House will now resume discussion on the Governor's Address.

Shri Shamsher Singh may please resume his speech.

**श्री भाम ोर सिंह**(नरवाना): अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि कांग्रेस पार्टी जो है उसके पास एक बहुत अच्छा कार्यकम है, उसी कार्यकम को लेकर पिछले तीन सालों में बड़ी भारी तरक्की हुई है। इस दे ा का नाम सारी दुनियां में बहुत ऊंचा हुआ है और आज सरकारी बैंचों पर बैठने वाले मैंबरों की तरफ से कांग्रेस पार्टी के जो अचीवमैंटस है, उनको डाऊन ग्रेड करने का प्रयत्न किया गया है। मैं इस वक्त कांग्रेस पार्टी के जो काम है उनकी तफसील में नहीं जाना चाहता, मैं तो यहां इतना ही कहना चाहूंगा कि भ्रश्टाचार के नाम पर कांग्रेस पार्टी के भूतपूर्व मुख्य मंत्रियों और सरकारों का खंडन किया गया है और जिस तरीके से कांग्रेस पार्टी की अचीवमैंटस को डाऊन ग्रेड किया गया है, वह ठीक उसी प्रकार है जिस प्रकार चमगीदड़ को सूरज की रो ानी मैं कुछ दिखाई नहीं देता हैं। भ्रश्टाचार का सवाल

लेकर सरकार ने, मुख्य मंत्री साहब ने, जो पालिसी स्टेटमैंट दिया, कांग्रेस विधायक दल जो है वह उसका स्वागत करता है, जैसी कि मैंने पहले कहा है कि कांग्रेस भ्रश्टाचार के उन्मूलन करने में पूरी तरह से सहयोग देगी। (मुख्य संसदीय सचिव, श्री जगन्नाथ जी की ओर से विघ्न)। स्पीकर साहब, मैं चौधरी जगन्नाथ जी को यह बताना चाहता हूं कि आपके बहुत से साथी जो उस तरफ बैठे है उनमें अधिकतर कांग्रेस पार्टी में ही रहे है और आपकी भारत सरकार के भी कुछ वरिश्ठ मंत्री चुनाव से दो तीन महीने पहले कांग्रेस मंत्रिमंडल के सदस्य है, लेकिन सवाल यह है कि जिस तरीके से आज जनता सरकार भ्रश्टाचार को दूर करना चाहती है, क्या इस तरीके के कभी भ्रश्टाचार दूर हो सकता है? मेरी इस बारे में मुखतजिफ राय है। मैं समझता हूं कि भ्रश्टाचार जो हे वह आज के पूंजीवाद समाज में खत्म नहीं हो सकता। भ्रश्टाचार उसका एक हिस्सा है। पूंजीवाद के होते हुए दुनिया में कोई भी सरकार उसको खत्म तो क्या कर सकी, कुछ कम भी नहीं कर सकी। इस प्रकार मैं कांग्रस पार्टी के आलोचकों से यह सवाल करना चाहता हूं कि क्या अमरीका और इंग्लैंड में भी कांग्रेस पार्टी का राज है? वहां पर भी तो भ्रश्टाचार का वातावरण है। वहां पर उस पार्टी का राज है जिनकी नीतियों की तरफ वहां की जनता देखती है और जिसे जनता पार्टी इंस्पायरे ान लेती है। स्पीकर साहब, सवाल तो यह है कि सरकार भ्रश्टाचार को खत्म करना चाहती है, तो वह अपना कोई ठोस कार्यक्रम बताए कि किस प्रकार पूंजीवादी समाज को तोड़कर नए समाज का गठन किया जाएग।

यह बात स्पीकर साहब उन्होंने जानबूझ कर नहीं कही है, क्योंकि जनता पार्टी के जो कंस्टीच्युएंटस है, जो इस दे ा में सबसे बड़े समर्थक रहे हैं, जनसंघ, बी.एल.डी. वगैरह कई दूसरी पार्टियां है, उन्होंने इस समाज को बढ़ौतरी देने में समर्थन कदया है। स्पीकर साहब, अभी–अभी स्वामी अग्निवे ा जी ने अपने भाशण में बिरला की 12 सौ करोड़ रूपए की मुजी की बात कही है, स्वामी जी बहुत ही सुलझे हुए व्यक्ति है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा यह सवाल उठाना चाहता हूं कि बिरला और दूसरे श्री धन्ना सेठ वगैरह जो दे ा में है, उनकी पूंजी जो कि आजादी के 27–28 साल के बाद बढ़ी है, सरमाया बढ़ा है, क्या उसके लिए कोई एक सरकार जिम्मेवार है? हरगिज नहीं। कांग्रेस पार्टी उसकी हरगिज जिम्मवार नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने हर समय भरसक प्रयत्न किया है कि जो पूंजीवादी सिस्टम है, उस पर पाबंदी लगायी जाए, टैक्से ान के द्वारा और दूसरे तरीकों के द्वारा, दूसरी नीतियों के द्वारा। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि अगर पूंजीवादियों की मदद की है। स्वामी जी ने बिरला की पूंजी की बढ़ौतरी के बारे में जो बात कही है, मैं उनको यह कहना चाहता हूं कि इसके लिए हमारा सिस्टम जिम्मेवार है और जनता पार्टी के जो नए जवान भाई यहां पर चुन कर आए हैं, उनसे मैं यह बात कहूंगा कि अर्थ भाास्त्र जो है, उसको अच्दी तरह से अध्ययन कर लें फिर अपनी पार्टी की नीतियों को समझने की कोि ा ा करें कि क्या जो उनके नेता हैं, जो करर्णधार है, वे वाकई इस दे ा में समाजवाद को लाना

चाहते है? दरअसल जो जनता पार्टी है, वही पूंजीवादियों की इस दे ा में सार्थक समर्थक रही है, रक्षक पार्टी है जैसा कि पिछले पार्लियामैंट के बजट से जाहिर है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इस वक्त हाउस के जो लीडर है वह मौजूद नहीं है। मैं चाहता हूं कि उनके कानों तक मेरी ये बातें अव य पहुंचे। इस चुनाव में जनता पार्टी के बैंचों पर बैठे हुए कई सदस्य जो हैं उन्होंने अपने चुनाव में जनता पार्टी के बैंचो पर बैठे हुए कई सदस्य जो है उन्होंने अपने चुनाव अभियान के दौरान बहुत पैसा खर्च किया है। यह किसी से छिपी हुई बात नहीं है कि गरीब आदमियों के वोट 50—50 और सौ—सौ रूपए में खरीदे गए और हजारों रूपए की भाराब रि वत में वोटरों को दी गई। क्या लीडर आफ दि हाउस इस बात की इन्कवायरी करवाएंगे? हमारे अपने प्रान्त में इनकी पार्टी के ..... विधायकों ने अपने चुनाव अभियान के दौरान तीन चार लाख रूपए देकर 5—7 हजार वोट खरीदे। मैं इस बात को चैलेंज करता हूं कि अगर यह बात गलत साबित हो जाए तो मैं सजा भुगतने के निए तैयार हू। क्या चीफ मिनिस्टर महोदय इस बात की इन्कवायरी करवाएंगे या कोई कमी ान बनाएंगे। यह बात सच है कि जनता पार्टी के कुछ सदस्यों ने वोट खरीदें है और 5—7 लाख रूपया खर्च किया है और तब वे इस सदन के मैंबर बन कर आए है। इसलिए जहां तक मैं समझता हूं जनता पार्टी के मुंह से भ्रश्टाचार को खत्म

करने वाली बड़ी बात छोटे मुंह से कहने वाली बात है।..... (विघ्न)

**एक आवाजः** बंसी लाल और संजय को निकाल दिया क्या यह कम है।

**श्री भाम ोर सिंहः** यहां पर सवाल बंसी लाल और संजय का नहीं है। यह बात आप को भी पता है और जनता पार्टी के नेताओं को भी पता है कि जनता पार्टी के सदस्यों ने वोट खरीदें है।

**श्री बलदेव तायलः** क्या आप उनका नाम लेंगे? मैं समझता हूं कि ये बेसलैस एलीगे ान्ज है सभी सदस्यों के खिलाफ, यह भाोभा नहीं देता।

**उपाध्यक्षः** आप इन लफ्जों को विद्ड्रा कर लीजिए।

**श्री भाम ोर सिंहः** मैंने जो कहा है वह गलत नहीं कहा है। मैं एक बार फिर कह देता हूं कि जनता पार्टी के कुछ सदस्यों ने चुनाव के दौरान वोटरों को रूपया दिया और भाराब के लिए पैसे दिए। यह बात हाउस के रूलज के खिलाफ नहीं है और इसमें किसी का नाम लेने की बात नहीं है।

**Shri Lachhman Singh:** It is a vague allegation and it cannot be levelled. The hon. Member must be definite.

**Shri Shamsher Singh:** This is a most positive allegation. It is not a vague allegation. मैं कहता हूं कि कुछ

मैंबरों ने ऐसा किया है और अगर चीफ मिनिस्टर साहब चाहें तो मैं नाम बता सकता हूं। अगर गलत हो तो मैं सजा भुगतने के लिये तैयार हूं। यह एलीगे ान बिल्कुल सही है।

उपाध्यक्ष महोदय, अग मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के बारे में यह बात और कहना चाहूंगा कि जनता पार्टी की सरकार जिसको कि तीन महीने से ज्यादा समय सता संभाले को हो चुका है किसानों को उनकी जिन्स के भाव ठीक दिलाने में नाकामयाब रही हैं। इन्होंने चुनाव मैनिफैस्टो में किसानों से इस बात का वायदा किया था कि अगर जनता सरकार पावर में आएगी तो वह किसानों को उनकी जिन्स का अच्छा भाव दिलाएगी। गंदम के भाव के बारे मैं जनता पार्टी ने 150/– रूपए क्विंटल का वायदा किया था और खेतीबाड़ी के लिये इस्तेमाल होने वाली चीजों के भाव भी सस्ते करने का वायदा किया था। मैं आपके द्वारा सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्शित करना चाहता हूं कि जनता पार्टी अपने इन वायदों में मुक्कमल तौर पर नाकामयाब रही है। इसलिये जनता पार्टी यह नहीं कह सकती कि और टाईम चाहिये। पिछलें साल गंदम का भाव110/– की बजाए इस साल किसी किसान को 106 या 108 से ज्यादा नहीं मिला। मैं आपको यह भी कहना चाहता हूं कि जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद आम उपभोक्ता की जो चीजें थीं जैसे चाय है, साबुन है, सब्जी और दालें है, इन सब के भाव सारे दे ा में बहुत ज्यादा ऊंचे हो गए है और जनता में इन

बातों को लेकर बहुत बेचैनी हैं। मैं आपको यह कहना चाहता हूं कि मेरा अपना जो नरवाने का इलाका है, कलायत और उचाने का इलाका है वहां आज से नहीं भाुरू से नहरी पानी की कमी रही है। इस सारे इलाके की भूमि हमवार हैं, वहां का किसान बहुत मेहनती है लेकिन नहरी पानी की वजह से हजारों एकड़ भूमि सूखी पड़ी हुई है। हम जनता सरकार से उम्मीद करते है कि जैसा कि इन्होंने घोशणा की है कि किसान के खेतों को ज्यादा पानी दिलाएंगे, बहुत जल्द ये इस बात का प्रबंध करेंगे। मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने बाढ़ का जिक्र किया। मैं एक मिनट में यह बात कहना चाहता हूं कि कलायत और नरवाना के इलाके में पिछली साल बहुत बुरी तरह से बाढ़ आई और 25–30 गांव पानी में डूब गए, मवे ाी बाहर ले जाने पड़े और फसलें का त नहीं हो सकीं। दुबारा बारि ा भाुरू होने वाली है लेकिन आज तक उस इलाके से बाढ़ का पानी निकालने का कोई प्रबंध नहीं किया गया है। मैं सरकार से दर्खास्त करूंगा कि एमरजैंसी लैवल पर अगर आज भी कोई उपाय किए जाएं तो उस इलाके का बचाव हो सकता है। मैं जनता पार्टी के साथियों से यह बात कहना चाहूंगा कि लोगों ने उन्हें बड़ा भारी समर्थन देकर यहां भेजा है लेकिन इसमें उन्हें ज्यादा इतराने की बात नहीं है। आज से तीन महीने पहले लोक सभा के चुनाव हुए और जनता पार्टी को करीब 71–71 प्रति ात वोट मिले और तीन महीनों के बाद जो विधान सभा के चुनाव हुए उनमें जनता पार्टी को केवल 43 प्रति ात वोट मिलें है। तीन महीने के अन्दर 30 प्रति ात से ज्यादा वोट कम होने

का यह रिकार्ड है। यह जनता पार्टी का रिकार्ड है, दूसरी किसी पार्टी का रिकार्ड इतना खराब नहीं हो सकता (विघ्न)

**एक आवाजः** कांग्रेस पार्टी को कितने परसैंट वोट मिलें।

**श्री भाम ोर सिंहः** कांग्रेस को बहुत थोड़ी सीटें मिलीं लेकिन आज भी मैं यह समझता हूं कि हिन्दुस्तान का और हरियाणा का जो हरिजन और बैकवर्ड गरीब आदमी है, वह कांग्रेस के साथ है और उसने वोट कांग्रेस को दिया हैं। कांग्रेस ने 20—25 प्रति ात के बीच वोट प्राप्त किए है। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आने मुझे बोलने का समय दिया।

**श्री लछमन सिंह**(कालका): डिप्टी स्पीकर साहब, दे ा के अन्दर 26 जून 1975 को जब एमरजैंसी लगी तो इन कांग्रेस के भाइयों ने स्टैबिलिटी के नाम पर हिन्दुस्तान की 60 करोड़ जनता को एक कलम के नोट से खत्म कर दिया और इस दे ा की आजादी की घडियां निहायत तेजी के साथ चल रही थीं लेकिन जनता ने एक झटके के साथ अपनी कलम की एक नोक के साथ तीस साल से चल रही इस जाबराना हकूमत को खत्म कर दिया और हिन्दुस्तान में जमहूरियत को फिर से बहाल कर दिया जिसका कि गला घूंटा जा रहा था। एक भाई ने गरीबों और हरिजनों की तरक्की की बात कही। मैं सिर्फ एक बात बताना चाहता हूं।

गरीब हरिजनों के नाम पर इस कांग्रेस ने तीस साल तक इस दे ा में राज किया और लगातार उनको बहका कर और उनको झूठे वायदे देकर बरगलाकर उनसे वोट लिए है। 1952 में जब पहला इलैक ान आया था तो हरिजनों से एक एक मरब्बर जमीन का जिस में 100 बीघे होते है, देने का वायदा किया। उसके बाद जब दूसरे इलैक ांज आए तो ये मरब्बा से चलकर एक किल्ले पर आ गये। तीसरे इलैक ांज के वक्त एक किल्ला से अवैक्वी प्रोपर्टी अलाट करने पर पहुंचे। जब चौथे इलैक ांज आये तो कहने लगे कि सारी सरपलस जमीन उनको दे दी जायेगी अब जब पांचवें इलैक ांज आये तो 100 बीघें से चलते चलते 100 गज पर आ गये। लेकिन जब इलैजक ाज का वक्त आया तो हरिजनों को जमीन के बदले आप्रे ांज दे दिये और जब्रदस्ती पकड़ पकड़ कर उनकों काट कर रख दिया। जहां तक कुरप् ान का ताल्लुक है, हरियाणा में कुरप् ान का च मा कालका से भ्रुरू होता है। मैं हाउस के सामने फैक्चुअल बात बताना चाहता हूं जिसकी तरफ न हरियाणा की पिछली सरकार ने और न ही ब्योरोक्रेसी ने ध्यान दिया। हरियाणा में सूरजपुर में भूपिंदर सीमेंट फैक्टरी है। उसका जो लीज पीरियड था वह 1968 में खत्म हो गया और जब मैं वजीर था तो मेरे पास कम्पनी वाले आये थे। मैंने उन से कहा था कि सरकार इसे अपने कब्जा में लेकर खुद इसे चलायेगी लेकिन बंसीलाल सरकार ने उस वक्त के कालका के एम0एल0ए0 से बीस लाख रूपया लेकर बीस साल के लिये यह लीज बढ़ा दिया। सूरजपुर में चंडीगढ़ 15 किलोमीटर है लेकिन उस साबिक

एम0एल0ए0 की कम्पनी, सीमेंट के एक ट्रक का किराया 225 रूपये चार्ज करती है। यही नहीं वहां से जो जगह 10 किलोमीटर के फासला पर है, उसका कम्पनी के मालिक, सेठ जी जो पहले एम0एल0ए0 थं, 192 रूपये फी ट्रक चार्ज करते है और कालका का किराया आप अंदाजा लगायें 174 रूपये चार्ज किया जाता हैं। गवर्नर ऐड्रैस में लोगों को सस्ती चीजें देने की बात कही गई है। सीमेंट भी एक बहुत जरूरी चीज है और यह लोगो को सस्ता मिलना चाहिए। अगर सरकार सेठ जी की कम्पनी को दिये लीज को खत्म कर दे और कम्पनी से कह दे कि ट्रक यूनियन जो बनेगी, उसके रेट जो है वही चार्ज किये जा सकते है तो कम से कम आठ आने फी थैला सीमेंट की कीमत कम हो सकती है। मैं मुख्य मंत्री जी से दरखास्त करता हूं कि इस सारी लीज वाली बात में इन्कवायरी करवाई जाये। इस में करोड़ों रूपये का घपला है। उस सेठ साहब ने करोड़ों रूपये मिल मिला कर कमाये है और ब्लैक में कमाये है और आज भी उसे कम से कम 25 हजार रोज की आमदनी है। मैं भाम ेर सिंह जी को बताना चाहता हूं कि अब 48 घंटे के अन्दर–अन्दर यह घपलेबाजी और कुरप ान खत्म होने वाली है और यह जनता सरकार इसे खत्म करके छोड़ेगी जिसको आप कांग्रेसी भाइयों ने फैलाया हुआ है। परसों चौथ तक जब ट्रक यूनियन बन जायेगी तो चंडीगढ़ का किराया 225 रूपये की बजाये 125 रूपये हो जायेगा और इस तरह से 100 रूपए फी ट्रक किराये में कमी होगी। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि सीमेंट कम्पनी इस पैसे को खना चाहेगी लेकिन यह जो सौ रूपये

की बचत होगी इसे सीमेंट कम्पनी की जेब में नहीं जाने देना चाहिये। मैं अर्ज करना चाहता हूं कि यह रूपया या तो सरकारी खजाना में जाना चाहिये या फिर जनता को, कन्जयूमर को इस का फायदा हो और सीमेंट का रेट घटाया जाना चाहिये। मैं उम्मीद करता हूं कि चीफ मिनिस्टर साहब इस बात पर गौर करेंगे। बंसी लाल सरकार के रात में दूसरी कुरप् ान जो हुई है वह घग्गर नदी की क्वैरीज के लीज के बारे में है जो कि बहुत बड़ा स्कैंडल है। एक सिंगला एंड राठी कम्पनी थी। ऐमरजैंसी के दौरान उस कम्पनी को उन क्वैरीज का एक साल के लिये लीज 2 लाख 7 हजार में दे दिया। आप अंदाजा लगायें अभी परसों उनकी आक ान हुई है और वह क्वैरीज अब 21 लाख में गई है जिस में से 10 लाख रूपया एडवांस मिला है। मैं भाम ोर सिंह जी से पूछना चाहता हूं कि इतनी बड़ी कुरप् ान का और इतनी भारी लूट का क्या आप कांग्रेस वालो को पता नहीं? आज भी 11 सैक्टर में कोठी नम्बर 681 में सिंगला साहब रहते है और वहां श्री बंसी लाल के दामाद और लड़की रहते थे जिसका हजार रूपया महीना किराया वह देता था। इस कांग्रेस के राज में कुरप् ान का बोलबाला रहा है और उन्होंने इस दे ा को खूब लूटा है और अपने घर भर लिये है। तरक्की के नाम पर कि हरिजन की भलाई करेंगे, दुकानदार और किसान की भलाई करेंगे। इन कांग्रेस वालों ने अपने घर भर लिये है और अपने चेहतों की तरक्की कर दी है। आप देखें कि गरीबों का दम भरने वाले इन लोगों ने किस तरह से गरीब लोगों को बसों से जब्रदस्ती उतार–उतार कर

हस्पतालों में ले जा कर काट दिया जिस की वजह से सैंकड़ों लोग वहां मारे जा चुके है। हमें पता है कि किसी तरह से इन लोगों ने ऐमरजैंसी की आड़ में लोगों को परे ाान किया और उनको नाकों चने चबवाये। मैं अपनी ही कहानी सुनाता हूं कि किस तरह से मुझे 8 जुलाई 1975 को गिरफ्तार करके ले जाया गया और मेरे साथ क्या सलूक किया गया। मैं बताना नहीं चाहता था अपनी बात लेकिन बहुत ज्यादा तारीफ कांग्रेस की यहां पर की गई है जिसे सुन कर मुझे यह बात कहनी पड़ी। जनता सरकार जिसका जन्म अभी तीन महीने पहले हुआ है उसके खिलाफ बेहूदा ऐलीगे ांज लगाये गये है और बेबुनियाद बातें की गई है। मैं हैरान हूं कि पिछले तीस साल का तो यह हिसाब किताब देने को तैयार नहीं लेकिन जनता सरकार से 90 दिन का हिसाब मांगते है अगर आप जनता सरकार का 90 दिन का हिसाब लेना चाहते हो तो ले लो और कलम उठा कर लिख लो। मैं आपको हिसाब बताता हूं कि जनता सरकार ने 90 दिन में क्या कुछ किया है। जनता पार्टी ने लोगों को वायदा किया था कि ज्यों ही उसकी सरकार सैंटर में बनेगी तो जो इनसानी हकूक, लिब्रटीज और फीडम्ज पिछली जालिम सरकार ने लोगों की छीन ली थी, वह रिस्टोर कर दी जायेगी। उस वायदा को जनता सरकार ने पूरा कर दिया है। मैं इन कांग्रेसी भाइयों को बताना चाहता हूं कि श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री जो उनकी बनाई हुई थी, वह कहा करती थी कि अपोजी ान पार्टीज का रेडियों पर आ कर बात करना नामुमकिन है। लेकिन अब भाम ोर सिंह जी

आपको इस जनता सरकार ने पूरी इजाजत दे दी है कि आप रेडियो पर आकर, ब्राडकास्ट कर सकते है, अपनी पार्टी का मैनिफैस्टों लोगो ंको बता सकते है, जनता सरकार की कोई कमियां अगर आप बताना चाहे तो बता सकते है कोई आपको रोक टोक नहीं, यह क्या कम बात है? आप लोगों ने तो लोगों का सांस लेना तक बंद कर दिया था। कोई बात तक नहीं कर सकता था। तीसरी बात जो जनता सरकार ने की है वह भी नोट कर लो। जब इलैक ंज चल रहे थे तो जनता पार्टी ने वायदा किया था कि जो कमचारी स्ट्राइक्स, हड़तालों के दौरान डिसमिस किये गये है उनको बहाल कर दिया जायेगा। जनता सरकार ने सैंटर में आते ही जितने रेल कर्मचारी और दूसरे कर्मचारी इन हालात में डिसमिस हुए थे, उन हजारों मुलाजमों को बहाल कर दिया है। मैं हरियाणा सरकार से और अपने मुख्य मंत्री जी से अर्ज करता हूं और मांग करता हूं कि उस जालिम सरकार ने जो हजारों टीचर्ज बिजली कर्मचारी और दूसरे कर्मचारी हड़ताल के दौरान डिसमिस किए थे, उनको भी जिस तरह से सैंटर की सरकार ने रेल और पी0एंड0टी0 के कर्मचारियों को बहाल कर दिया है, उसी तरह से यहां भी कर दिये जायें। जहां तक डिवैल्पमैंट की बात है, मैं कुछ हद तक अपने मुखालिफ धड़े के साथ इस बात से सहमत हूं कि डिवैल्पमैंट इस तरह से नहीं हो सकती। मैं चीफ मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि आपने देखा है कि एमरजैंसी के दौरान ब्योरोक्रेसी ने हम लोगो पर किस तरह से तलवारें और कुल्हाड़े चलाये है। एक भी जवान मर्द

आई0ए0एस0 अफसर ऐसा नहीं निकला जिसकी जमीर ने उसे लताड़ा हो और अपनी जमीर की आवाज पर इस्तीफा दिया हो कि जो कुछ उनसे करवाया जा रहा है वहा नाहक है। अगर एक ने भी इस्तीफा दे दिया होता तो आज हम उसे हिन्दुस्तान का बाद ााह बना कर छोडते। आप जानते हैं कि अंग्रेज के राज में मोरार जी भाई ने अपनी जमीर की आवाज पर इस्तीफा दे दिया था और भी कई बड़े–बड़े नेताओं ने नौकरियां छोड़ दी थीं। आज मोरार जी देसाई दे ा के प्रधान मंत्री है। लेकिन हमारी ब्योरोक्रेसी रोजाना हमारे और हमारे बच्चों के खिलाफ दस्तखत करती थी कि हम दे ाद्रोही है, पापी है। एक भी अफसर ऐसा नहीं निकला जिस ने इस जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई हो, इस्तीफा दिया हो और कहा हो कि हमारे साथ जुल्म हो रहा है और हम दे ाद्रोही नहीं है। तो चौधरी साहब मैं आप से अर्ज करता हूं कि आप इस ब्योरोक्रेसी पर यकीन न करें कि उस तरह से डिवैल्पमैंट हो सकती है। मैं बताता हूं कि डिवैल्पमैंट किस तरह से इसी पैसे के साथ दौलत के साथ हो सकती है और इतनी हो सकती है जितनी किसी बाहर के डिवैल्पउ दे ा ने की है। आप किसी भी दे ा में चले जाओ, मैंने दुनिया के बहुत दे ा देखें है, उनका कांस्टीटयू ान और लोगों का रहन सहन और सारा ढ़ांचा स्टडी किया है। वे लोग हम से कम ताकतवर है और कम दिमाग रखते है लेकिन उनके अन्दर एक बात है कि जहां हमारा सौ आदमी काम नहीं कर सकता वहां उनका एक आदमी काम करता है। मैं स्विस ऐम्बैसी में गया। मैंने वीसा पर

दस्तखत करवाने थे। मैं वहां गया पैसे दिये और मोहर लगवायी और पांच मिनट में सारा काम करवा कर आ गया लेकिन हमारे यहां तीस साल में इस कांग्रेस सरकार ने सारे सिस्टम को इतना गंदा कर दिया है कि चौधरी साहब आप को इस को झाड़ू लेकर साफ करना होगा और जब तक आप झाड़ू नहीं फेरोगे डिवैल्पमैंट नहीं हो सकती। यह ब्योरोक्रेसी कदम–कदम पर रूकावटें डालेगी, तरह तरह के आपको कानून बतायेगी। मैं कहता हूं कि मिटा दो इन सब कानूनों को और एक सीधा रास्ता ले लो कि एक पंचायत हर गांव में बना दो, वहीं पर बैंक बने और वहीं पर अफसर हो। जब जमींदार आता है कि उसे पांच सौ रूपया बीज के लिये खाद के लिये चाहिये तो फटाफट सारी तसदीक पांच मिनट में हो कर उसे पैसे मिल जायें, फिर देखों कैसे तरक्की फटाफट होती है। लेकिन अगर पटवारी ने लिखना है फिर वही कानूनगो ने लिखना है और वही कुछ तहसीलदार और डी0सी0 ने लिखना है तो 6 महीने तक कुछ नहीं होगा, लोग मारे–मारे फिरेंगे। मैंने इजरायल के कांस्टीटयू ान को पढ़ा है, वहां के सारे ढ़ांचे को स्टडी किया है। वहां ऐसा है कि हर गांव के अन्दर ही हर चीज लोगों को मिल जाती है। ऐसा ही ढ़ांचा यहां पर बनाया जाये कि उसी गांव में हर चीज जमींदार को मिले। अगर ऐसा हो जाये तो जनता सरकार ने जिस बात की म्याद एक साल रखी है मैं दावे के साथ कह सकता हूं चौधरी साहब कि आपका नि ाना 6 महीने में पूरा हो जायेगा। लेकिन अगर इस ब्योरोक्रेसी के आसरे ही बैठे रहे कि वह तरक्की कर देगी जिस ने

कि हम पर तलवारें चलाई है तो यह बात भूल जाओं वह कुछ नहीं करेगी आप यकीन मानें। वे आपकी टांग खीचने की कोि ा ा करेंगे कि कांग्रेस वाले फिर आएं और कुरप ान को बढ़ावा मिले। मैं अर्ज करना चाहता हूं हो सकता है मेरे ये लफ्ज आपको कड़वे लगें लेकिन बाद में मीठे लगेंगे। अगर आप वन–वे–सिस्टम बनाएंगे तो दे ा की सही तरक्की ही जाएगी। आज कुरप ान का बहुत भाोर है, जगह–जगह भाोर मचा हुआ है। अगर एक जमींदार किसी तहसील में एक लाख की रजिस्ट्री करवाने के लिए जाता है तो तहसीलदार को लालच आ जाता है और भाक करता है कि एक लाख रूपया जमींदार के पास कहां से आया। तहसीलदार यह नहीं समझता कि उस जमींदार की यह एकमात्र पूंजी है। उस एक लाख की पूंजी में तहसीलदार 500 या 1000 रूपए कुरप ान के तौर पर लेना चाहता हैं, तब रजिस्ट्री करता है। कुरप ान बंद करने क मतलब यह नहीं है कि उसका काम ही न हो। कुरप ान बंद करनी है तो जमींदार का काम सबसे पहले होना चाहिए, दे ा से कुरप ान तब दूर हो सकती है। अगर आप आज सब के सब ओथ लें अपना प्रण लेकिर निकलें कि अगर हमारा कोई रि तेदार हो चाहे वह हमारी पार्टी का कोई आदमी हो, अगर वह कुरप ान करता है तो सबसे पहले उसकों पकड़ेंगे। अगर हम यह फैसला कर लें तो कोई वजह नहीं कि कुरप ान खत्म न हो। चौधरी साहब ने कहा कि अमरीका को अन्दर कुरप ान है। चौधरी साहब को यह पता नहीं कि किस पैमाने की कुरप ान वहां पर है। वहां पर प्राईम मिनिस्टर पैसे

लेता है, बड़े–बड़े आदमी पैसे लेते है लेकिन इस चीज का जनता के ऊपर कोई असर नहीं है। जनता के ऊपर लो–लैवल पर होने वाली कुरप्ान का असर पड़ता है। अगर नीचे के लैवल की कुरप्ान का पैमाना बंद हो जाता है तो हिन्दुस्तान की जनता, हरियाणा की जनता आपको दुआयें देगी।

गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में एक बात वैल्फेयर आफ स्टेट की कही है। बात बहुत अच्छी है, वह है पीने के पानी की कमी को दूर करना। इसमे मैं एक बात एड करना चाहता हूं । ऐड्रैस में देहातों को पानी देने की बात की है। लेकिन बहुत सारे भाहर ऐसे है जहां पीने का पानी नहीं मिलता। पानी की कमी के कारण कालका भाहर उजड़ता जा रहा है इसकी बजाये परवाणु की डिवैल्पमैंट हो रही है। कालका हरियाणा का बहुत खूबसूरत भाहर है। अगर यहां पर पानी की सप्लाई न हुई तो हम इस खूबसूरत भाहर से हाथ धो बैठेंगे। पानी की वजह से कालका बरबाद हो चुका हैं। परवाणु आबाद हो रहा है इसलिए कि वहां पर पीने का पानी मुहैया हैं। इसलिये मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि कालका को पीने के पानी में टाप प्रायरिटी दें। जहां तक सड़कों की बात है, कांग्रेस सरकार ने सड़कें पूरी कर दी है लेकिन बिजली की खासतौर पर कमी है। आप मेरे हल्के में चलें, मैं आपको बताऊंगा कि बिजली का एक खम्भा तक नहीं लगा, बिजली तो बहुत बड़ी चीज है। हमारी पहली प्राईम मिनिस्टर साहिबा ने बिजली का उद्घाटन किया था कि तमाम

हरियाणा में बिजली लग चुकी है, लेकिन असलीयत यह है कि हमारे इलाके में खम्भा तक नहीं लगा है।

एक बात और डिवैल्पमैंट के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। हमारे जो टैक्नीि ायन है, टैक्नोक्रेटस है उन को हैड आफ दी डिपार्टमैंट बनाया जाए, डिपार्टमैंट का सैक्रेटरी बनाया जाए। जो आई0ए0एस0 आफिसर सैक्रेटरी है, उनको टैक्नीकैलिटी का क्या पता है, वे क्या जानते है कि क्लैरोमाईसीन क्या होती है। इसलिए जो इरीगे ान डिपार्टमैंट के पी0 डब्ल्यू0डी0 के टैक्नोक्रेटस है उन के हाथ में दे ा की डिवैल्पमैंट का काम देंगे तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि बहुत जल्दी तरक्की होगी। गवर्नमैंट आफ इंडिया ने पास कर दिया है कि टैक्नीकल लोग ही दे ा की तरक्की कर सकते है। अगर हमने हरियाणा की तरक्की करनी है तो टैक्नीकल लोगों को आगे लाना पड़ेगा। एक ले–मैन को आफिस का पता हो सकता है, इफस एंड बटस कर सकता है। मैं इनके बारे में भी बता दूं। आपको क्या बताऊ आई0ए0एस0 वाले इनको कहेंगे कि ये कुरप्ट है और इनके खिलाफ कुरप् ान के चार्जिज हैं। लेकिन जो आई0ए0एस0 ब्यूरोक्रेसी है उनकी इतनी ताकत है कि इन के खिलाफ कुरप् ान के चार्जिज नहीं लगे। अगर आप मालूम करेंगे तो ज्यादा से ज्यादा आई0ए0एस0 आफिसर फसेंगे। इस चीज को अगर खत्म करना है, हरियाण की अगर तरक्की करनी है तो आपको यहां सख्त कुल्हाड़ा चलाना

पड़ेगा। जब तक कोई ड्रास्टिक स्टैप नहीं लेंगे, दे ा की तरक्की नहीं हो सकेगी।

एक बात और कहना चाहता हूं, वह है ह्यूमन वैल्यूज एंड डिगनिटी की बात। गवर्नर महोदय ने ऐड्रैस में कहा है, यह बहुत बड़ी बात है। कांग्रेस वाले इनस्टेबिलिटी के नाम पर ताकत के नाम पर एमरजैंसी लाए। आपको मालूम है हिटलर से बड़ी ताकत कोई नहीं थी जिसने हयूमन वैल्यूज एंड डिगनिटी को खत्म करने की कोि ा ा की। स्पेन मे भी फ्रान्कों ने 30–32 साल तक हकूमत की और इंसानियत को खत्म कर दिया गया था। चौधरी साहब, मैं आपको मुबारिकबाद देता हूं गवर्नर साहब को मुबारिकबाद देता हूं जिन्होंन हयूमन वैल्यूज एंड डिगनिटी को प्रैफ्रैंस दी है और अ योर करवा है कि है कि किसी पर तब तक केस नहीं बनेगा जब तक उसको अदालत में पे ा होने की अनुमति न दी जाए। कुरप्ान के चार्जिज जिन लोगो के खिलाफ लगाए है उनकी इन्क्वायरी करवांएगे और उम्मीद करता हूं कि जब अगला सै ान होगा, उससे पहले–पहले हमारे मुख्य मंत्री इस विशय पर जरूर बयान देंगे। इसके साथ ही मैं आपका भाुकिया अदा करता हूं जो आपने बोलने का टाईम दिया।

**चौधरी गंगा रामः** आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मेरी प्रार्थना है कि आप बोलने का टाईम फिक्स कर दें क्योंकि हम सब ने बोलना है, अपने–अपने हलके की मुसीबते बतानी है। ये तो ऐसे बोल रहे है जैसे इलैक ान में भाशण दे रहे हों

**स्वामी आदित्यवे ा** (हथीन): उपाध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के साथी चौधरी भाम ेर सिंह जी आलोचना करते चले जा रहे थे और ऐसा प्रतीत होता था कि दे ा में भ्रश्टाचार और पूंजीवाद का जो बोलबाला था उसकी जिम्मेवारी उन पर नहीं है। आप देख रहे हैं, बहुत से सदस्य चुनाव में जीत कर आए है। ये बहुत थोड़े थोड़े पैसे खर्च करके आये है, किन्तु मैं इनसे पूछना चाहता हूं, वे स्वये जिम्मेवारी के साथ बताएं कि इस इलैक ान में वे कितना रूपया खर्च करके आये है और यह लिख करके दें। मैं जिम्मेवारी के साथ कहना चाहूंगा कि हम सब जेल में बैठे थे, हम जनता से सम्पर्क भी नहीं कर पाए, हमें पता भी था कि इलैक ान की गाड़ी कैसे चल रही है। जब हम बाहर आये तो हमारी जेबों में एक पैसा भी नहीं था, जमानत के लिए भी पैसा नहीं था। जब इस प्रकार की स्थिति थी तो ये कैसे हमारी आलोचना कर सकते है? निम्न कोटि की आलोचना करने की आदत पड़ी हुई है और उसी आदत के प ाीभूत होकर हम पर इल्जाम लगााना चाहते है। प्रत्यक्ष को प्रमाण क्या, आपके सामने इलैक ान परिणाम हैं सारे हरियाणा में से केवल तीन सीटें इनको मिली है। जो कुछ आज तक पाप करते रहे उसी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। लोक सभा चुनाव में जनता पार्टी को जितना समर्थन मिला है उतना दुनिया के इतिहास में किसी पार्टी को नहीं मिला। ऐसा उदारहण दुनियां के इतिहास में देखने को नहीं मिलता। उतरप्रदे ा, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदे ा इन में कांग्रेस का सफाया कर दिया। ठीक वहीं स्थिति विधान सभा के चुनावों में रही है।

परसैंटेज के लिहाज से देखें तो कम नहीं है। जहां तक पूंजीवादी व्यवस्था का प्र न है, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि महात्मा गांधी ने 1947 में ऐलान किया था कि कांग्रेस अपने पद से भ्रश्ट हो चुकी है, इसलिए कांग्रेस को तोड़ देना चाहिए। उन्होंने ऐलान किकया था कि जितने मिनिस्टर बने है उनके वेतन और एक भंगी के वेतन में समानता होनी चाहिए और 500 से ज्यादा किसी को वेतन नहीं मिलना चाहिए, लेकिन महात्मा गांधी की किसी ने एक नहीं सुनी। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि ये कितने महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलते है। ये कहते है कि हरिजनों से हमदर्दी है, उनके ठेकेदार बनते है। यदि इस बात को देखना है तो हरिजनों के बीच में जाकर देखें, उन में बुराई के कितने बीज बोए हुए है। उनको भाराब पीना सिखाया गया है, भाई–भाई के बीच में नफरत का बीज बोया गया, आपसी लड़ाई झगड़े पैदा किए गए जिससे ये उनकी आपसी फूट से फायदा उठा सकें। ये सारे सिद्धांत इन्होंने हरिजनों में डाले। अगर इनको हरिजनों के सारे वोट मिलें तो भी 18–20 प्रति ात वोट बनते है, लेकिन प्रत्यक्ष को प्रमाण क्या, कितने वोट मिल पाए है, यह इलैक ान रिजल्ट आपके सामने है।

जहां तक राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का संबंध है, मैं निवेदन करना चाहूंगा कि भाशण बहुत अच्दा है, नीति की दृश्टि से ठीक है। किन्तु कुछ बातें ऐसी है जो बहुत महत्वपूर्ण है, उन बातो ं की तरफ ध्यासन नहीं दिया गया। इसलिए मैं

इनकी तरफ सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। उदाहरणार्थ, मनुश्य के आत्म–सम्मान की रक्षा तथा मौलिक सिद्धांतों की रक्षा की जाए। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि हर प्रान्त के अन्दर हमारी जनता सरकार ने हर एक मनुश्य के आत्म–सम्मान का ध्यान किया है। लेकिन इसके साथ–साथ इस बात का हवाला होना चाहिए था कि किस तरह 26 जून, 1975 को मानवीय सिद्धांतों की अवहेलना करके दो लाख आदमियों को जेल की सींखचों में डाल दिया गया था और न केवल जेल की सींखचों में ही डाला गया बल्कि कितना अमानवीय व्यवहार उनके साथ किया गया। जेल के अन्दर पीने के पानी में तेल मिलाकर दिया जाता था, आटे के अन्दर बालू और रेत मिलाया जाता था और जब कभी कोई बीमार हो जाता था तो उस दवाई नहीं दी जाती थी। मैं स्वयं अम्बाला जेल में था और बीमार होने के एक सप्ताह बाद मुझे दवाई दी गई थी। उस वक्त मानवता का कितना हास हो चुका था इसका यह प्रत्यक्ष प्रमाण था। लेकिन खु ाी की बात है कि इस तरह की जो किमयां उस वक्त मानव जीवन में आ गई थीं वे अब भीघ्रता से दूर हो रही है। लोगों के मन से थोड़े ही दिनों के समय में भय की भावना निकलती जा रही है। हमारे प्रान्त के मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल बड़े सही ढ़ंग से चल रहे हैं। लोग महसूस ही नहीं कते कि हम मुख्य मंत्री से मिल रहे है या गांव के बुजुर्ग से मिल रहे हैं या चौधरी से मिल रहे है। पहले यह स्थिति थी कि लोग हरियाणा भवन में नहीं ठहर सकते थे, चंडीगढ़ के होस्टल में नहीं जा सकते थे और

मुख्य मंत्री की कोठी में जाते समय भय लगता था लेकिन आज कोई भय नहीं है। लोग ऐसे मिलने जाते है जैसे चोटाला में जा रहे है। यह बहुत ही सराहनीय बात है।

उपाध्यक्ष महोदय, यह अभिभाशण है तो बहुत अच्छा लेकिन इसमें कुछेक बातों की अवहेलना की गई है जिनकी तरफ मैं सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। उदाहरण के लिए इसमें महेंद्रगढ़ जिले का जिक्र किया गया है। महेंद्रगढ़ वास्तव मैं पिछड़ा हुआ जिला है लेकिन सही मायनों में हरियाणा का सबसे पिछड़ा हुआ जिला गुडगांव है। आपको पता है कि थोड़े ही दिनों में बरसात भाुरू हो जाएगी ओर उस वक्त हालत यह होगी कि गांव में घुसना मुि कल हो जाएगा। सारे के सारे या आधे गांव जलमग्न हो जाएंगे। इसलिए मैं जनता सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वह इस बात की तरफ भीघ्राति ीघ्र ध्यान दें। इसके साथ सरकार को चाहिए कि वह महेंद्रगढ़, गुड़गांव और रोहतक जिले की झज्जर तहसील की मुख्य समस्या का समाधान करने की ओर भी ध्यान दे। जो सहबी नहीं है यदि इसके ऊपर एक बहुत बड़ा बांध बना दिया जाए तो मैं समझता हूं कि इससे जहां सारे इलाके की सिंचाई होगी वहां बिजली भी पैदा हो सकती हैं और बाढ़ के प्रकोपा से भी इन इलाकों को बचाया जा सकता है।

बेरोखगारी को दूर करने के लिए भी इस अभिभाशण में जिक्र आया है। लेकिन मैं सुझाव देता हूं कि कम से कम हर परिवार के एक व्यक्ति को अव य रोजगार दिया जाए। अगर हम

अभिभाशण में लिखित स्कीमों को नेकनियति से चलाएं तो नि चित रूप से जहां बेरोजगारी दूर होगी वहां लोगों को भी अच्छी तरह से अपना कार्य करने का अच्छा मौका मिलेगा।

ि ाक्षा के संबंध में हमारा प्रान्त काफी सम्पन्न प्रान्त है। दे ा में इस लिहाज से इसका दूसरा नम्बर पड़ता है। लेकिन फिर भी हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि कम से कम दसवीं तक कि ि ाक्षा नि ाुल्क कर दी जाए ताकि सभी लोग पढ़ सकें और अच्छी तरह से हमारे प्रान्त को आगे बढ़ा सकें। कांग्रेस सरकार ने इसका बहुत हास किया। उसका नमूना यह है कि 40 हजार अध्यापक जेल में बंद किए। आज ि ाक्षा का स्तर यह है कि अगर हम अपने बच्चों को, जो बी0ए0 पास हैं या मैंट्रिक पास है, हिंदी के स्वर और व्यंजनों की संख्या बताने या लिखने के लिए कहे तो वे बता याह लिख नहीं सकते। इतना स्तर ि ाक्षा का नीचे गिरा है। इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि कम से कम दसवीं तक की ि ाक्षा नि ाुल्क कर दी जाए और अध्यापकों को पूरी सुविधा दी जाए ताकि वे किसी प्रकार की कठिनाई में न रहें और नि चन्त हो कर, निर्भिक होकर, पूरी जिम्मेदारी के साथ बच्चों को पढ़ाएं जिससे हमारे हरियाणा की ि ाक्षा का स्तर ऊंचा हो।

उपाध्यक्ष महोदय, परिवार नियोजन में बहुत ज्यादती की गई है यह सभी जानते है लेकिन इस बात का हवाला देते हुए मैं तो यह कहूंगा कि गुड़गांव में तो बहुत ही जयादा ज्यादती की

गई है। अगर आप वहां जाकर इस बात का पता लगाए तो पता चलेगा कि अमानवता की दृश्टि से तो रावण और कंस के राज को भी मात कर दिया गया है। कितने ही गांवों को सैंट्रल रिजर्व फोर्स के सुपुर्द कर दिया गया था, गांव के गांव उजाड़ दिए गए थे। दस–दस दिन के लिए लोग घर छोड़ कर चले गये थे ताकि वे आपरे ान से बच सकें। इतना ही नहीं बूढ़े व्यक्तियों को भी बख्शा नहीं गया। उटावड़ और सुल्तानपुर में तो बहुत ही जुल्म ढाये गए। वहां तो लोगों की इस तरह नसबंदी की गई जिस तरह से प ाुओं की नसबंदी की जाती है। बहू बेटियों के साथ निर्दयता का व्यवहार किया गया और उनकी इज्जत लूटने में भी कोई कसर बाकी नहीं रखी गई। मैं तो चाहता हूं कि इसकी जांच करने के लिए अलग से कमी ान बिठाया जाए और जो ज्यादती करने वाले व्यक्ति रहे हों, चाहे वे सरकारी कर्मचारी हों या कोई अन्य हों, उन्हें बर्खास्त किया जाए या दंडित किया जाए क्यौंकि सरकार के गलत आदे ाों को मानकर उन्होंने बड़ी ही निर्दयता के साथ अपने ही भाइयों के साथ बड़ा अमानवीय व्यवहार किया है। तो मुझे आ ाा है कि इन दोनों क्षेत्रों में जो घटनाएं हुई है इनकी तरफ हमारी सरकार जरूर ध्यान देगी।

इसके प चात् उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान आयुर्वैदिक चिकित्सा की ओर दिलाना चाहूंगा। बड़ी खु ाी की बात है कि गांव में आयुर्वेदिक डिस्पैंसरियां खोली जा रही है लकिन आज स्थिति यह है कि इस मद पर बहुत कम खर्च हो रहा

है। मेरी सूचना के अनुसार पिछली सरकार लगभग 67 लाख रूपया आयुर्वेदिक चिकित्सा पर और 7 करोड़ से भी ज्यादा ऐलोपैथिक चिकित्सा पर खर्च कर रही थी। लेकिन मैं चाहूंगा कि इन दोनों चिकित्सा पद्धतयों के लिए बराबर का पैसा दिया जाए क्योंकि आयुर्वेदिक चिकित्सा से गांव के लोगो को ज्यादा फायदा हो रहा है और उनका झुकाव इस तरफ ज्यादा हैं। इसके अलावा आप जानते है कि ऐलोपैथिक डाक्टर भी गांव में जाने से संकोच करते है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरा निवेदन यह है कि जेल का जो मैनुअल बना हुआ है वह अंग्रेजों के जमाने का बना हुआ है। इसमें भी सं ाोधन किया जाए। राजनैमिक बंदियों के साथ किस तरह से व्यवहार किया जाता है इसका उदाहरण मैंने आपके सामने रखा। जहां तक दूसरे कैदियों का संबंध है उनके साथ जिस तरह का अमानवीय व्यवहार किया जाता है उसको देखकर तो मानवता कराह उठती हैं ऐसा समझा जाता है जैसे गुलाम प ाुओ के साथ व्यवहार किया जा रहा हो। मैं तो समझता हूं कि जिस आदमी का व्यवहार बदल चुका है, जिसमें कुछ सुधार आ गया हो, ऐसे आदमियों को अध्यापक रखकर ि ाक्षा दी जाए। देखा यह गया है कि 14–14 साल तक लोग सजा काट लेते हैं लेकिन उन्हें छुट्टी नहीं मिलती। ऐसे आदमियों को जिनका चरित्र अच्छा बन गया है उनको रिलीज

किया जाए और उनमें और सुधार लाने के लिए कुछेक तरीके अपनाए जाएं।

इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह है कि वृद्ध कृशक और मजदूरों की पैं ान का भी इस अभिभाशण में उल्लेख नहीं किया गया है। वृद्ध मनुश्यों के लिए, चाहे वे किसान हों या मजदूर हों, पैं ान की व्यवस्था होनी चाहिए। जब एक सरकारी कर्मचारी के लिए 15–20 साल की नौकरी करने के बाद पैं ान की व्यवस्था की जा सकती है तो एक किसान के लिए जिसने 60–70 साल तक हजारों मन अनाज दे ा को खिलाया हो, क्यों न पें ान की व्यवस्था की जाए। मुझे उम्मीद है कि हमारी लोकप्रिय सरकार इस दि ाा में जरूर विचार करेगी।

फिर उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि हमारे यहां कुछेक स्टाइपैंडरी टीचर्ज है। वे दस–दस साल से काम कर रहे है लेकिन अभी तक परमानैंट नहीं हो पाए हैं। मुझे आ ाा है कि इस तरफ भी हमारी सरकार ध्यान देगी।

हरियाणा के प्राईवेट कालेजिज के संबंध में भी मैं कुछेक भाब्द कहना चाहूंगा। आये दिन उनकी मांग उठती रहती है जो कि जायज है। इन कालेजिज के जो प्रोफैसर है वे वही अध्यापन का कार्य करते है जो गवर्नमैंट कालेजिज के प्रोफैसर करते है। लेकिन इसके बावजूद भी इनके साथ असमानता का व्यवहार किया जा रहा है। ऐसा नहीं होना चाहिए। मुझे आ ाा

है कि उनकी जो कठिनाई है उसको भी यह सरकार सुनेगी और उसको दूर करने का प्रयास करेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं यह चाहता हूं कि कुछेक ऐसे मजदूर है जो फैक्टरियों में काम किया करते थे लेकिन आपातकाल में उनको सर्विस से निकाल दिया गया था, उनको सर्विस में वापिस लाया जाए जिससे उनमें आत्म–वि वास जागे।

अभी एक साहब गेहूं की नीति के संबंध में बात कर रहे थे। हमारी केंद्रीय सरकार ने ऐलान किया था कि 110 रूपये क्विंटल का भाव होना चाहिए लेकिन उस समय की हरियाणा की कांग्रेसी सरकार ने कितनी ज्यादा ज्यादती की उसका एक उदाहरण मैं आपके सामने रखता हूं। इन्होंने गेहूं की ग्रेडिंग कर दी। 108–109 रूपए के भाव गेहूं खरीदते रहे और यही नहीं 85 रूपये के भाव भी खरीदते रहे। अब जनता सरकार आयी है और कांग्रेस के दिन चले गये। अब तो गेहूं की खरीद हो चुकी है, आने वाले समय में इस विशय में बात करेंगे। मुझे पूर्ण आ ाा है कि उस समय हमारी सरकार की नीति ठीक रहेगी। अब सब से पहले सवाल तो यह उठता है किहमे अपने आपका निरीक्षण भी करना चाहिए, अपने आप के विशय में चिन्तन करना चाहिए। हमें एक दूसरे के पीछे नहीं जाना चाहिए बल्कि हमें स्वयं के विशय में विचार करना चाहिए। हमें अपने आपको अच्छा बनाना चाहिए, अपने आपको एक आद र्ा के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

हरियाणा सदा से ही एक आद र्ा प्रान्त रहा है। हमे ाा आद र्ा प्रस्तुत करता रहा है इसलिए हमें पहले स्वयं का निरीक्षण करना चाहिए ताकि हम सही रास्ते पर चल सकें।

मैं आपके जरिये हाउस के सामने एक बात वि ोश रूप से रखना चाहता हूं । आज सारे हरियाणा में भाराब की नदियां बह रही है। आज के हरियाणा के मुख्य मंत्री जी तो महात्मा गांधी जी के साथ पिकटिंग करते थे। कम से कम हमारी जनता सरकार, ग्रमा देहातों में जो भाराब के ठेके है उनको जल्दी से जल्दी बंद करायेगी। भाराब के कारण गांवों की हालत बिगड़ रही है, इसमें सुधार होना चाहिए। मैं और अधिक समय न लेता हुआ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

**चौधरी गंगा राम** (गोहाना): आदरणीयण उपाध्यक्ष जी, सब से पहले मैं इस हाउस का ध्यान फलड कंट्रोल के विशय में दिलाना चाहता हूं क्योंकि राज्यपाल के अभिभाशण में फलड कंट्रोल के बारे में कुछ भी नहीं लिखा गया हैं। आज अगर हरियाणा का किसान सब से ज्यादा तकलीफ में है तो वह पानी की तबाही के कारण है। सारी की सारी नदियों में फलड आता है और किसानों के खेतों को बरबाद करता है और खासकर सारे हरियाणा में मेरे इलाके गोहाना में सब से ज्यादा पानी की मार है। मेरी तहसील सब से बैकवर्ड कहलाती है। सब से ज्यादा अफसोस की बात यह रही है कि मेरी तहसील के हमे ाा दो–दो वजीर रहे है और हर वजारत में रहे है। उन्होनें यहां हाउस में

कभी भी फलड के बारे में आवाज नहीं उठायी। मैं माननीय चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करूंगा कि अभी बारि ा आरम्भ नहीं हुई है अभी से उस ओर ध्यान दिया जाये ताकि किसानों को नुकसान न हो। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि थोड़ी सी बारि ा हुई है और रठाल गांव के अन्दर चारों तरफ पानी ही पानी है। चार बूंद बारि ा पड़ने से चारों तरफ से पानी से डूब गया है। दस साल हो चुके है कि उस गांव में दोनों फसलो में कभी आधी फसल भी पूरी नहीं हुई है। मैं सरकार का ध्यान इस ओर इसलिए भी दिलाना चाहता हूं कि फलड कंट्रोल होने से हरियाणा के किसानों को पानी मिल जायेगा और फसल बरबाद होने से बच जायेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, आप यह भी जानते है कि मोरियों को ऊंचा किया गया है। आज का ओवरसियर किसानों से हजारों रूपये रि वत ले कर नीची कर देता है कांग्रेस राज के अफसर आज भी किसानों की तबाही का कारण बने हुए है। वे आज भी हजारों रूपए रि वत लिये जा रहे है। जिस समय पार्लियामेंट के चुनाव हो रहे थे उस समय मैं भी जनता पार्टी के साथ था और हम गांव–गांव में प्रचार कर रहे थे और हमारे जनता पार्टी के मैनीफैस्टों में यह था कि खेती संबंधी सभी चीजें सस्ते दामो ंपर मिलेगी चाहे बीज हों, चाहे ट्रैक्टर हों या किसानों के और औजार हों वे सभी चीजें कारखाने में जो लागत आयेगी उसी दाम पर दी जायेगी। मैं केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि अगर किसानों को

फैक्टरी की लागत पर ट्रैक्टर और दूसरा सामान दिया जाये तो हरियाणा का किसान सारे दे ा के पेट को पाल सकता है। तो मैं आ ाा रखूंगा कि किसान के साथ न्याय किया जायें।

इसके अलावा ि ाक्षा के क्षेत्र में हरियाण में कुछ ऐसी बातें हो रही है जिनको कहते हुए मुझे भार्म आती है। आज हर घर के अन्दर, भाहर के अन्दर ि ाक्षा देने के लिए एक तरह की दुकानें सी खोल रखी है। पिछली जो कांग्रेस सरकार थी उसने अपने रि तेदारों, भाईयों और भतीजों के नाम से कोठियों के अन्दर स्कूल खुलवाये और लोगों से पैसा इक्टठा किया। लड़कियों के साथ और भी ज्यादा ज्यादतियां की इल लोगों ने कहीं पर जे0बी0टी0 की क्लास चालू कर दी, कहीं होम साईंस की और किसी ने सिलाई का स्कूल चालू कर दिया और इसी कारण से उनके अन्दर लड़यिकों की गलत ऐक्सप्लाएटे ान हो रही है। मैं आपके द्वारा सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि इन ि ाक्षा संस्थाओं का राश्ट्रीयकरण कर दिया जाना चाहिए। अगर कुछ और गैर सरकारी संस्थायें है जो बहुत ज्यादा जिम्मेदार संस्थायें है जिनकी कमेटियां भी बहुत पुरानी है और सरकारी स्कूलों का मुकाबला करती है उन संस्थाओं को ये स्कूल सौंप दिया जाने चाहिए। आज प्राइवेट स्कूलों के अन्दर टीचर्ज की ऐक्सप्लाएटे ान होती है, लोगों से रि वत मांगी जाती है ट्रेनिंग के लिए जो कैन्डीडेटस आते है उनकी भी हर तरह से

ऐक्सप्लाटे ान की जाती है। तो मैं जनता पार्टी से यह आ ाा रखता हूं कि वह इस ओर ध्यान देगी।

इसके अलावा इस अभिभाशण में एक बात कही गई है वह है रि वत कम करने की और साथ यह भी कहा गया है कि लोगों से चन्दा इक्ट्ठा किया जायेगा। इन ि ाक्षा संस्थाओं का मैं इसीलिए जिक्र कर रहा था कि जिस समय ट्रेनिंग के लिए दाखिला मांगते है तो उन से हजारों रूपये मांगे जाते है। इस तरह से लोगों से लाखों रूपये चन्दा लिया है और उनके पास बीस–बीस लाख रूपया चन्दे का पड़ा हुआ है तो कमाल की बात तो यह है कि जो लोग न कभी अध्यापक वर्ग में रहे, न अध्यापन कार्य किया, वे लोग भिवानी के अन्दर अध्यापक नेता बन कर 80 हजार रूपया ले गये, हिसाब किताब कुछ नहीं, सारा पैसा खा गये। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि जिन लोगों ने पहले रि वत ली है, जिन लोगों ने अत्याचार किये है, जुल्म किय है, मालाओं से लदते रहे है और अगर उनके खानदान वाले सरकार में नहीं होते तो तीस रूपये की भी वकालत नहीं चलती लेकिन वे लोग चार चार हजार रूपये एक केस में लेते रहे है तो मैं इस सरकार से प्रार्थना करूंगा.....

**मुख्य संसदीय सचिव**(श्री जगन्नाथ): एक तो आपके ही पास बैठे है।

**चौधरी सुरेंद्र सिंहः** मैं तो बार काउंसिल का चेयरमैन था।

**चौधरी गंगा रामः** भाई जगन्नाथ जी ने इधर इ ाारा किया है, वे कह रहे है कि मैं बार काउंसिल का चेयरमैन था लेकिन अफसोस तो यह है कि हम सारे वकील मीस में जेल में थे और भाई साहब अकेले ही बार काउंसिल का इलैक ान लड़ रहे थे। तो मैं सरकार से इतनी प्रार्थना करूंगा कि रि वत तभी बंद हो सकती है जब जिन लोगों ने रि वत ली है, जिन लोगों ने अत्याचार किए है, जुल्म किए है उनके खिलाफ इन्कवायरी कमी ान बैठाया जाए। यह ठीक है कि चौधरी बंसी लाल के खिलाफ इन्कवायरी कमी ान बैठा दिया, संजय गांधी के खिलाफ बैठा दिया लेकिन जो लोग कुर्सी पर नहीं थे, पावर में नहीं थे और हरियाणा का सारा पैसा लूटकर ले गए उनके खिलाफ भी इन्कवायरी कमी ान बैठाया जाना चाहिए और उनको उस कमी ान के सामने पे ा किया जाना चाहिए। यह केवल किसी के विरोध की भावना से मैं नहीं कर रहा हूं। मुझे दुख होता है कि मेरे जैसे नौजवान साथियों को, देहात के आदमियों को बहुत बेरहमी के साथ लूटा गया। यह नौजवानों के ऊपर धब्बा था और यह धब्बा तभी साफ हो सकता है जब इनक्वायरी कमी ान बैठाया जाए।

इसके अलावा किसान के लिए पक्की नालियों की बात कही गई है। मैं कहना चाहूंगा कि आज हरियाणा पक्की नालियों

ने बिल्कुल बरबाद कर दिया है। डिप्टी स्पीकर साहब, किसान के लिए पक्की नालियां बनाई गई। इनके लिए एक लाख रूपये का कान्ट्रैक्ट दिया गया लेकिन मुि कल से पच्चीस हजार रूपया लगाया गया। चार दिन पानी उनमें चल पाता है। फिर कहीं ईट उखड़ गई कहीं सीमेंट टूट गया और आज किसान इसी वजह से हाई कोर्ट में बर्बाद हो रहा है। यह पक्की करने का जो सिलसिला है इा पर गौर किया जाए और जिस तरह से भी किसान को बचाया जा सके, उसके बचाने का प्रबंध किया जाना चाहिए। इसके अलावा मैं एक और बात कहना चाहता हूं कि इस एड्रैस में संतुलित आर्थिक विकास की बात कही गई है। आज सारे हरियाणा के अन्दर दस साल से देख रहे है अगर आर्थिक विकास थोड़ा बहुत हुआ है तो भिवानी भाहर और तो ाम हल्के का हुआ है बाकी तो सारे का सारा बार्बाद हुआ है। हिसार और सिरसा वाले तो मेरी तहसील की लड़की की सगाई लेना पसंद नहीं करते।

**श्री जगन्नाथः** भिवानी में भी 10–12 कोठियों का ही विकास हुआ है।

**चौधरी गंगा रामः** इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि एक ऐसा इलाका जो पिछड़ा हुआ है, तैं तो यहां तक कहूंगा कि आर्थिक तौर पर, इंडस्ट्रियल तौर पर पिछड़ा हुआ है उसको इंडस्ट्रियली बैकवर्ड इलाका ऐलान किया जाए। कमाल की बात है मेरी तहसील ही हरियाणा में एक ऐसी जगह है जहां

सरकार का कोई कालेज नहीं है, जिसमें कोई छोटी सी कालोनी नहीं सरकार क जहां पर मेरे रिटायर्ड मुलाजिम भाई रह सकें। वहां पर कोई छोटा कारखाना नहीं है। मेरी तहसील हरियाणा के अन्दर एक ऐसी तहसील है जहां सरकार की एक ईंट भी नहीं लगी है। वहां डिवैल्पमैंट के लिए कोइ काम नहीं हुआ। अफसोस की बात तो यह है कि एक मंत्री तो ऐसे थे कि जिनके जीभ नहीं थी और दूसरे भाई ऐसे थे जिनके चौधरी बंसी लाल के सामने जाते ही पैर थरथराते थे। इसलिए मैं प्रार्थना करूंगा–(व्यवधान)–कि मेरी तहसील में डिवैल्पमैंट का कोई काम अव य होना चाहिए।

इसके अलावा इसमें स्थानीय निकाय तथा पंचायत विभाग की कार्य प्रणाली में सुधार लाने की आव यकता पर बल दिया गया है। आज मैं सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा के अन्दर कमेटी के कालिज और कमेटी के स्कूल है जिनका इलैक ान हुए दस–पंद्रह साल हो गए है। कांग्रेस सरकार ने अपने आदमियों को कमेटियों में भर रखा है और उन्हीं के आदमियों ने सारे कालिजों और स्कूलों पर अधिकार कर रखा है। कोई इलैक ान नहीं करवाए जा रहे है। मेरा सुझाव है कि बहुत जल्दी जितनी भी मान्यता प्राप्त संस्थाएं हैं, स्कूल, कालेज है उनके चुनाव करवाए जाने चाहिएं ताकि इनके अन्दर से गबन का मामला, रि वत का मामला, कुनबा परस्ती का मामला दूर किया जा सके। इसके अलावा को–आप्रेटिव बैं, लैण्ड

मारगेज बैंक, मैं भी लीगल एडवाइज रहा हूं, आज मुझे दुख होता है कि उन बैंकों के इलैक ान हुए सात साल हो चुके है और जो नोमिनेट कर दिए थे वही आज बैंकों के ऊपर बैठे है, उन्हीं के आदमी बैंको से फायदा उठा रहे है और उन्हीं के आदमियों को नैकरी मैं लिया जाता है। मेरे जिले में एक भाुगर मिल लग रही है और उस मिल में गोहाना तहसील के एक करोड़ के भोयर है लेकिन एक आदमी भी तहसील गोहाना का सिवाए एक बंसी लाल के पिट्ठू के जो डायरैक्टर लगा है, किसी आदमी को नौकरी नहीं दी गई है। एक करोड़ के जिस तहसील के भोयर हों और वहां का कोई भी डायरैक्टर न हो, इससे बड़ी अफसोस की बात और क्या हो सकती है। मेरी जिले के केवल दस प्रति ात आदमी ही उस भाुगर मिल में है और 75 फीसदी आदमी भिवानी तहसील के है। मैं चाहूंगा कि इस मामले में इन्कवायरी करवाई जाए और हमें न्याय दिलाया जाए।

इसके अलावा मैं आपका ध्यान पांच एकड़ तक के लगान की माफी की तरफ दिलाना चाहता हूं। जैसा कि राव साहब कर रहे थे कि पांच एकड़ के लगान की माफी मिलनी चाहिए। अच्छी बात चाहे कहीं से भी मिलती हो चाहे वह हमारे विरोधी दल की तरफ सेी आए वह मान लेनी चाहिए। अगर पहली सरकार ने किया था तो वह अपने फायदे के लिये किया होगा। पांच एकड़ तक की किसान की जमीन के बारे में लगान माफी का एक प्रस्ताव पास किया गया था। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि

पांच एकड़ के अन्दर कुछ पैदा नहीं होता।—(व्यवधान)—अगर ऐसा किया जा रहा है तो मैं स्वागत करता हूं। मैं और ज्यादा ने कहते हुए इतना ही कहना चाहूंगा कि यह सरकार जनता के हित में जितने भी कदम उठाएगी हमारी कंडी ानल स्पोर्ट रहेगी और कंउी ानली भाब्द मैं जान बूझकर कह रहा हूं क्योंकि अगर घोड़े की लगाम न पड़ी हो तो उस पर कंट्रोल नहीं रहता। इसलिए मैं चाहूंगा और मुझे उम्मीद है कि सरकार जो किसानों की सरकार है, मजदूरों की सरकार है, कमेरों की सरकार है, ईमानदारों की सरकार है, देहातियों की सरकार है, और जो पूंजीपतियों की सरकार नहीं है, लुटेरों की सरकार नहीं है, वह जनता के हित में बहुत काम करेगी। आज तक दे ा के अन्दर सरमाएदारों ने राज किया है, पूंजीपतियों ने राज किया है। 75—80 फीसदी जो दे ा के कमेरे थे, उनके लिए कुछ नहीं सोचा गया। यह पहला मौका है कि देहात की, किसान की सरकार आई है, इसलिए हमें उम्मीद रखनी चाहिए कि कितनी ही कुर्बानी करनी पड़े, हमको कितने ही कश्ट उठाने पड़े, हमें कुर्सी का लालच नहीं है, हमने मजदूर के लिए काम करना है, किसान के लिए काम करना है। जो सरमाएदार हमें पैसे से खरीदना चाहें, हमें उनसे दूर रहना है। इतना कहकर मैं समाप्त करता हूं।

**श्री मूलचंद जैन**(सम्भालखां): आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर काफी चर्चा इस सदन में हो रही हैं। अभी मुझ से कुछ देर पहले मेरे माननीय साथी

कांग्रेस पार्टी के नेता चौधरी भाम ेर सिंह ने जहां और बातों का जिक्र किया, इस बात का भी जिक्र किया और मुझे बीच में उनको टोकना पड़ा कि कांग्रेस पार्टी हरिजनों की, गरीबों की, बैकवर्ड की बहुत हमदर्द रही है और यह जनता पार्टी हमारे जो घटक इसमें भाामिल हुए है वह हमे ाा पूंजीवादी सिस्टम को सहारा देते रहे है और उसको इस दे ा में लागू करने की कोि ा ा करते रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि मेरे दोस्त चौधरी भाम ेर सिंह जी ने जनता पार्टी के घोशणा पत्र को नहीं पढ़ा है, या वे भूल गए है जनता पार्टी के घोशणा पत्र में और कांग्रेस पार्टी के घोशणा पत्र में, जो नीतियां हैं, उनमें जमीन आसमान का अन्तर है। जनता पार्टी का जो संविधान है उसका जो चुनाव घोशणा पत्र है, उसके अन्दर आप देखें तो आपको पता लगेगा कि निजी सम्पति के अधिकार का `हमारे दे ा के मौलिक अधिकारों में से निकाल दिया है। उन्होंने घेशणा की है कि हम निजी सम्पति को इस दे ा के मौलिक अधिकारों में नहीं समझते, यह बुनियादी तबदीली है और कांग्रेस पार्टी का जो प्रोग्राम रहा है उसमें सिद्धांतों के रूप में जनता पार्टी कई कदम आगे बढ़ गई है अब दूसरी बात रही अमल की। मैं अपने लायक दोस्त का प्लानिंग कमी ान की उस रिपोर्ट की तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूं जिसमें इस बात का जिक्र है कि सन् 46 से हमारे हिन्दुस्तान में भूमि सुधार की चर्चा चल रही है, लेकिन आज तक भूमि सुधार क्यों नहीं हुआ। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता हे कि भूमि सुधार इसलिए नहीं हुआ है

क्योंकि उसके पीछे पोलिटिकल विल नहीं है। पहले जो स्टेट्स के चीफ मिनिस्टर थे कांग्रेस पार्टी के जो लीडर थे, वे नहीं चाहते थे कि भूमि सुधार हो, उन्होंने जानबूझ कर इस काम मे ंदेरी करने के लिए कुछ लूप–होल्ज छोड़े, लंगड़े लूले कानून बनाए, और अमल नहीं किया। फिर चौधरी भाम ोर सिंह कैसे इस बात का दावा करते है कि कांग्रेस पार्टी तो गरीबों की मदद करती रही। चलो छोड़ों दूसरे राज्यों की बात हरियाणा की बात को ही ले लीजिए। सन् 46 में ऐसे टेनैन्ट्स थे, जो दूसरे मालिकों को जमीन की का त करते थे वह अगर 100 के करीब होंगे, तो आज एक भी नहीं है, फिर यह कांग्रेस सरकार वाले गौरव करते है कि हमने गरीबों की बड़ी मदद की है। चौधी भाम ोर सिंह जी भी वकील हैं, मैं भी वकील हूं उन्होंने दफा 18 के मुकदमें लड़े होंगे। सन् 1963 के जो मुकदमें थे वे आज भी पैंडिंग पड़े हुए है, यह कितने दुख की बात है। क्या हुआ? टैनैन्टस को बहुत बेरहमी से बेदखल कर दिया गया। यह सब इन्हीं के राज्यों में हुआ। भाहरों में तो जो किराएदार है वे पहली पे ाी पर ही किराए की रकम जमा करवाकर बेदखली से एग्जम्पट हो जाते है। जहां तक जमीन के मुजारे का ताल्लुक है, लगान न देने की वजह से क्या वह बेदखली से बच सकता है, हरगित नहीं। यह सब कुद किस के राज्य में हुआ? कांग्रेस सरकार ने ही यह सारे पापाड़ बेले है। डिप्टी स्पीकर साहब, सन् 1971 में इलैक ान हुए। उसके बाद कांग्रेस कमेटी ने, आल इंडिया कांग्रेस ने, एक तमा ाा रचा और उसके बाद हमने सोचा कि आल इंडिया कांग्रेस गम्भीर हो गई है।

फिर इंदिरा गांधी ने यह नारा लगाया कि गरीबी हटाओ, हम गरीबी दूर करेंगे, बदकिस्मती से मैं भी उस झांसे में आ गया–(हंसी)–और मैंने उस वक्त कांग्रेस उम्मीदवार की पूरे जोर ाोर से मदद की, मुझे यह नहीं पता था कि वह झांसी की रानी नहीं, बल्कि वह तो झांसों की रानी है–(हंसी)–सन् 1971 में इलैक ान के बाद दो साल के अन्दर–अन्दर सब के समने यह नक ाा आ गया कि यह सरकार तो केवल कुर्सी से चिपटने वाली सरकार है और तभी लोकनायाक श्री जयप्रका ा नारायण ने यह आंदोलन चलाया। अपने आंदोलन से पहले उन्होंने सरकार को, बड़े–बड़े नेताओं को समझाने की बहुत कोि ा ा की कि आप इस दे ा की जो समस्याएं है, बेरोजगारी है, भ्रश्टाचार है, आपसी पिशमता है, इनको दूर करो, केवल नारेबाजी सक काम नहीं चलेगा। जब कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं ने उनकी बातों को मानने से इन्कार कर दिया तब उन्होंने अपना यह आन्दोलन भाुरू किया। समय थोड़ा है, इधर उधर की दूसरी बातों में मैं नहीं जाना चाहता, गवर्नर साहब के एड्रैस पर भी कुछ बातें कहनी है। कांग्रेस पार्टी ने रूलिंग पार्टी के तौर पर लोगों को भला करने में, लोगों की समस्याओं को दूर करने में कोताही की है, इसलिए आज उसका हिन्दुस्तान से सफाया हो गया है और अगर आज इन्होंने विरोधी पार्टी के तौर पर काम न किया तो इनका नाम इतिहास के पन्नों से मिट जाएगा। पिछले दस सालों में इस कांग्रेस सरकार ने जो करतूतें की हैं वह किसी से भूली इुई नहीं है।

इसके बाद डिप्टी स्पीकर साहब, यहां पर हमारे एक माननीय सदस्य ने कुछेक अफसरों के तबादलों पर चीफ मिनिस्टर साहब और उनकी सरकार की नुक्ताचीनी की है और कहा कि यह ज्वर है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैंने बड़े से बड़े अफसर के साथ कर्मचारी के साथ काम किया है और मुझे यह कहते हुए गौरव अनुभव हो रहा है कि वे इस दे ा की इन्टैलीजेसीयां की अगर मलाई कहा जाए तो कोई गलत नहीं होगा, वे कम्पीटी ान में आते है। सबसे पहले तो मैं यह कहूंग कि हमारे सरकारी कर्मचारी एक मजबूत घोड़ा है और उस मजबूत घोड़े के ऊपर एक मजबूत सवार हो ता वह काम ले सकता है, अगर न हो तो वह घोड़ा मनमानी करता है। अगर एक सवार करप् ान की तरफ झुकता है, तो कर्मचारी चार कुरप् ान की तरफ झुकते है। अभी विरोधी पक्ष ने यह माना है कि दस वर्शों में करप् ान थी, किसी को ले लों, बिजली बोर्ड को ले लो और दूसरे कई कार्पोरे ान्ज है, उनको ले लो। हमारे स्पीकर साहब ने कहा था कि हरियाणा मैं उसी तरह करप् ान के च में निकलते है जिस तरह से अरब दे ाों में जगह–जगह पर तेल के च मे मिलते है। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि क्या इस करप् ान में सरकारी कर्मचारी सहयोगी नहीं थे, क्या उनका सहयोग नहीं थ? क्या उनके द्वारा पोलिटिकल लीडरों ने करप् ान नहीं की? एमरजेंसी में जो जो जुल्म हुए, वे क्या सरकारी कर्मचारी के सहयोग द्वारा नहीं हुए, अंग्रेजों के वक्त में आप जरा झांके तो आपको पता चलेगा कि कई बड़े–बड़े अफसरों ने अपने स्वार्थ की परवाह न करते हुए,

रिजाइन दे दिया, अरविन्दु जैसे और कामथ जैसों ने इस्तीफे दिए, लेकिन यहां पर मैंने कभी नहीं सुना कि किसी आई0ए0एस0 अफसर ने सरकार की नीतियों के खिलाफ इस्तीफ दिया हो। ऐसा क्या नही किया गया क्योंकि सरकारी कर्मचारी बड़ी तादाद में करप् ान और भ्रश्टाचार में इनवाल्वड थे, इसी कारण से हमारी सरकार ने बड़े पैमाने पर ट्रांसफर्ज की है ताकि वे सभी इधर–उधर बंट जाए और भ्रश्टाचार को प्रोत्साहन न मिले। मैं चीफ मिनिस्टर साहब को एक बात और कहूंगा कि अभी उन्होंने आई0ए0एस0 और आई0पी0एस0 अफसरों के डी0सी0 लेवल तक तबादले किए है, लकिन विभागों के जो अफसर है जैसे पी0डब्ल्यू0डी0 के और दूसरे महकमो ंके अफसर है इनके आपस में लिंक बनें हुए है। एक एस0ई0 किसी खास किस्म के एक्सीयन को चाहता है और किसी एस0डी0ओ0 को चाहता है। मैं चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी इस लिंक को तोड़े। यहां पर एक से बढ़कर एक अंधेर है। मैं अभी अपने हलके का चार दिन का दौरा करके आया हूं आप हैरान होंगे कि देहाती भाईयों को जो कर्जे मिले थे उनकी वसूली हो चुकी है और उनके पास वसूली की रसीदें भी है। सैंकड़ों की तादाद मे लोगों द्वारा रसीदें दिखाने के बावजूद भी उनसे दुबारा वसूली की गई। कोओप्रटिव इंसपेक्टर क्या करता है? क्या उसके नोटिस में यह बात नहीं आई कि यह जुल्म क्यों हो रहा है दुबारा वसूली क्यों हो रही है? लोगों ने इस संबंध में सैकड़ों दरखास्तें दी लकिन कहते है कि श्री बंसी लाल ने मना कर दिया कि आप कार्यवाही न करो। डिप्टी स्पीकर

साहब, जो सैक्रेटरी रसीद देकर रजिस्टर में उसकी वसूली नहीं दिखाता उसे सैक्रेटरी के साथ महकमें के सीनियर आदमी भी मिले हुए है। जो सैक्रेटरी गबन करता है तो वह असिस्टैंट रजिस्ट्रार और डिप्टी रजिस्ट्रार से मिला होता है। मैं चाहता हूं कि हमारे सरकारी कर्मचारी अब इस नए युग की धारा को पहचानें। आज हमारे चीफ मिनिस्टर साहब अगर किसी हलके में जाते है तो उनको जो मालाएं मिलती है उनको वे अपनी जेब में नहीं डालते जैसे पहले डाली जाती थी। पहले यह होता था कि एक लाख का चन्दा सरकारी कर्मचारियों द्वारा इक्ट्ठा किया और वह डिफैंस मिनिस्टर को दे दिया लेकिन अब ऐसा नहीं होता। पहले अफसरों को जोर देकर उनसे रूपया इक्ट्ठा करवाया जाता रहा और उस रूपए की कोई रसीद नहीं दी जाती थी। तो किस की जिम्मेदारी से यह सब होता रहा? हमारे चीफ मिनिस्टर ने अफसरों को बदल कर कोई ज्यादती नहीं की मैं तो चाहता हूं कि दूसरे महकमों के लिंक भी तोड़े जाएं।

एक बात जगजीत सिंह पोहलू जी ने टिकटों के बारे मे कही थी। मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि मीसा में जेल में जाना टिकट के लिए क्वालिफिके ान है लकिन यह काफी नहीं है, यह भी देखना पड़ता है कि जिस आदमी को हम टिकट देते है वह अनु ाासन में रहेगा या नहीं। यह भी भार्त है कि जिस आदमी को हम अपनी पार्टी का मैंबर बनाने जाएं, वह टिकट लेकर जीत भी जाएगा या नहीं। मैं आप पर कोई आरोप नहीं लगा रहा

हूं लेकिन यह भी एक क्वालिफिके ान थी। दूसरी चीज जो पार्टी में आकर अनु ाासन में रहने की है यह आप पहचान लें कि आप पर लागू होती है या नहीं एक बात और कहकर मैं बैठ जाउंगा, वहज यह है कि गवर्नर साहब ने अपने एड्रैस में एक सिम्पल सा फार्मूला दिया कि हम तो दो चीजें चाहते है कि प्रान्त में करप ान हटे और पानी का इन्तजाम हो ताकि पैदावार बढ़े। मैं अपने लीडर से यह कहना चाहता हूं कि यह प्रोग्राम काफी नहीं है। मैं एक भोर कहना चाहता हूं। इकबाल ने कहा हैः—

जिस खेत से मुयसर न हो दहकान को रोटी,

उस खेत के हर खो ो गन्दम को जला दो।

मैं मार्कस या लैनिन को कोट नहीं कर रहा हूं मैं तो इकबाल को कोट कर रहा हूं। अगर हम पानी को बढ़ाएंगे और एससे जो पैदावार बढ़ेगी उसकी तकसीम ठीक न करेंगे तो काम नहीं चलेगा। मैं अपने माननीय साथी भाम ोर सिंह जी से इस बात में इतफाक करता हूं कि करप ान के असल कारण को समझना होगा। अगर हम नीचे से फ र्ा को साफ करते जाएं और ऊपर से गंदगी के परनाले पड़े तो वह फ र्ा साफ कैसे रह सकता है?

यदि ग्राम सेवक ठीक हो जाए, पटवारी ठीक हो जाएं, तहसीलदार ठीक हो जाए और थानेदार ठीक हो जाएं यह कैसे ठीक हो जाएं? लेकिन यह परनाला कहां से आता है? एक

माननीय साथी ने कहा कि अगर पोजिटिकल नेता ठीक हो जाए, तो यह काम ठीक हो जाएगा। मैं इसक कुछ हद तक मानता हूं कि पोलिटिकल नेता और ऊंचे सरकारी कर्मचारी अगर ठीक हो जाएं तो किसी हद तक यह ठीक हो सकता है लेकिन जब तक यह पूंजीवाद का सिस्टम है और उसे हटाने के लिए सोच समझकर प्लानिंग के अनुसार कोई कार्यक्रम नहीं होगा तब तक पूरी तरह से ठीक नहीं होगा।

**एक आवाजः** आप राम लाल जी से पूछें।

**श्री मूल चंद जैंनः** अब इन्होंने स्वीकार कर लिया है कि निजी सम्पति मौलिक अधिकार नहीं रहेगा। जनसंघ में यह बात पहले बिल्कुल नहीं थी, बी.एल.डी. में भी नहीं थी। यह किस तरीके के हिसाब से कंट्रीब्यू ान है इन पार्टियों का? तो फिर यह बात जब उन्होनें स्वीकार कर ली है तो जनसंघ या किसी और पार्टी का नाम लेना और उसका पिछला हवाला देना कोई जायज बात नहीं। तो यह जो पूंजीवाद का विशय है सिस्टम है, इस बारे में मैं ज्यादा विस्तार में न जाता हुआ, क्योंकि समय कम है सिर्फ एक आध मिसाल देकर बात खत्म करता हूं। एक तरफ तो वह लोग है, ऐसे परिवार जिसके पास लाख दो लाख रूपया है जब भी कोई नया रोजगार निकलता है तो उसे काबू में कर लेते है, क्योंकि उनके पास पूंजी होती है। इस कारण से हालात यह हो गए है कि एक परिवार के पास तो 10/20 रोजगार है लेकिन उसके मुकाबले में सैकड़ों परिवार ऐसे है जिनके पास एक भी

रोजगार नहीं है। यह जो आर्थिक ढांचा है यह कोई धर्म की चीज नहीं है जैसा कि हमारे समाज में अकसर समझा जाता है। एक जमाना था जब हमारे बुजुर्गों ने यह कहा कि 100 रूप्ए की कमाई पर एक रूपया दान कर दा। उसके बाद हजरत मुहम्मद आए तो उन्होंने कहा कि सौ पर एक रूपया कम है 40 रूपए पर एक रूपया होना चाहिए। उनके बाद गुरू नानक जी आए और उन्होंने यह कहा कि यह भी कम है दस रूपए की कमाई में से एक रूपया देना होगा। इस तरह से समय–समय पर हालात के अनुसार इस आर्थिक ढांचे का रूप बदलता गया और मार्डन एज मैं यह और बदल गया। मार्कस आए तो उन्होंने कहा कि दस रूपए पर एक रूपया देने की बात करके तो लोगों को भिखारी बना देने वाली बात की गई है। उन्होंने यह कहा यह दान वाली बात को छोड़ो और ये जो मीन्ज ऑफ प्रोडक ानज है उनमैं लोगों को हिस्सेदार बनाओ। ऐसा करने से ही मानव की हैसियत में खड़ा हो सकेगा। उनके बाद गांधी जी विनोबा जी और जय प्रका ा जी ने ट्रस्टि ाप का नारा लगाया। लोक नायक जय प्रका ा जी ने और विनोबा जी ने भी कहा कि इस दे ा का कल्याण लैनिन–इजम और गांधी–इजम के सिंथेसिज और समन्वय से होगा। मैं चाहता हूं किहमारे गवर्नर एड्रैस में इस समन्वय की कुछ झलक और थिंकिंग आती तब ही लोगों को यह पता लगता कि यह पार्टी जो जनता का वि वास लेकर सता मे आई है लोकनायक जय प्रका ा के इस नारे पर किस हद तक अमल करती है। मैं चाहूंगा कि हमारी पार्टी इन लाइन्ज पर विचार

करेगी और वह प्रोग्राम जनता के सामने आएगा। और भी बहुत बातें थीं, जो मैं कहना चाहता था लकिन जो समय आपने मुझे दिया है मैं उससे आगे नहीं जाना चाहता इसलिए एक बात और कहकर खत्म करता हूं। करप्ान को हर फील्ड से जड़ से उखाड़ने का प्लान तो बहुत बड़ा है लकिन उससे पहले भी कई तरह के कदम उठाए जा सकते है जैस स्वामी अग्निवे ा जी ने भी कहा कि सता का विकेंद्रीयकरण होना चाहिए और वह हमें करना ही पड़ेगा क्योंकि मैं देख रहा हूं ट्रांसफर्ज के मामले में हमारे पास एक तूफान आया हुआ है। हर तरफ से ट्रांसफर्जा के लिए लोग भागे आ रहे है और हालत यह है कि न हम कोई एजेंडा वगैरह ही पढ़ सकते है और न ही कोई और काम की तरफ ध्यान दे सकते है। इसी बात का तूफान आया हुआ है कि इस कर्मचारी को बदलो या उस कर्मचारी को बदलो। यह इस वजह से है कि पीछे जो सरकार गई है उसने सता का विकेंद्रीकरण हर फील्ड में कर रखा था। मैं एक दफा करनाल में सी.एम.ओ. से बात कर रहा था कि उसने कहा जैन साहब हमारे पास है क्या, मेरे पास तो आनी जीप के ड्राइवर को बदलने का अधिकार भी नहीं है, वह आर्डर भी ऊपर से ही आता है। तो मेरे कहने का मतलब यह है कि काम तभी ठीक ढंग से चल सकेगा अगर इस सता का विकेंद्रीकरण होगा। जिन अधिकारियों को अधिकार दिए हुए है उनके पास ही वह अधिकार रहने चाहिए और उनको बाई पास नहीं करना चाहिए, बल्कि उनको ज्यादा से ज्यादा पावर देकर सारे काम को करना चाहिए, वरना काम ठीक ढंग से नहीं चल पाएगा।

आप प्राइमरी टीचर्ज की ही बात ले लो अगर उनका तबादला भी यहां ऊपर से मंत्री ही करेगा तो आप समझ सकते है कि प्र ाासन का काम कैसे चल सकता है? जिला में जो डी.ई.ओ. बैठा है उसको ही यह काम करना चाहिए। इस संबंध में मैं एक और मिसाल देता हूं कि पिछली सरकार ने बहुत सारे कानूनों में अमैंडमैंट करके जैसे कि को–आप्रेटिव सोसायटी एक्ट वगैरह को तबदील करके सारी भाक्ति यहां इक्ट्ठी करने की कोि ा ा की है उस सारी भाक्ति को अब वक्त आ गया है कि डिसैंटरेलाइजे ान किया जाए और अगर ऐसा किया गया तो ही सही मायनों में सता का विकेंद्रीकरण होगा और लोगों की भाक्ति लोगों के पास वापिस जाएगी और भाासन का काम जमहूरी ढंग से चल पाएगा। इन भाब्दों के साथ मैं राज्यपाल महोदय को उनके एड्रैस पर धन्यवाद देता हूं।

**श्री बलदेव तायल**(हांसी): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं भी कुछ बातें गवर्नर साहब के अभिभाशण की ताइद और प्र ांसा में कहना चाहता हूं। इसके अन्दर जनता पार्टी की नीतियां निहित है। जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान ग्रामीण भाइयों से वायदे किए थे और कहा था कि हम सता में आने के बाद गांधीवादी सिद्धांतों पर चलते हुए दे ा को आगे ले जाएंगे और इस बात को जानते हुए कि दे ा की 85 प्रति ात आबादी ग्रामीण है, हमारी सारी आर्थिक नीतियां जो बनेगी, उनमें सबसे पहले इन ग्रामीण भाइयों की तरफ ध्यान दिया जाएगा। इस अभिभाशण में उस

वायदे के मुताबिक साफ तौर पर ग्रामीण भाइयों के लिए नीतियों का उल्लेख है। खास तौर पर पीने के पानी की समस्या नहरों के पानी की समस्या और सड़कों, स्कूलों, हस्पतालों की तरफ ध्यान देने की बात कही गई है, क्योंकि ये सारे काम ग्रामीण भाइयों के लिए आव यक है। दुर्भाग्य से आज तक ग्रामीण भाइयों के लिए जो दे ा की आबादी का 85 प्रति ात है, कुछ नहीं किया गया और उनको इग्नोर किया जाता रहा। जितने भी काम दे ा के अन्दर होते रहे वे नगरों के अन्दर ही होते रहे है। अगर बिजली का काम भाुरू हुआ तो वह भी नगरों से भाुरू हुआ, पीने के पानी का काम भाुरू हुआ, वह भी नगरो ंसे हुआ। जहां तक हस्पतालों की बात है वे भी नगरों में ही है। मेरे कहने का मतलब है कि जितनी भी सहूलियतें दी जा सकती थी वह आज तक नगर वालों को ही मिलती रहीं और गांव वालों को इग्नोर किया जहाता रहा। मैं समझता हूं कि अब जनता सरकार इस प्रोसैस को रिवर्स करेगी और 85 प्रति ात ग्रामीण जनता का अधिक से अधिक ख्याल रखा जाएगा। इस अभिभाशण में ग्रामीण उद्योगों का भी उल्लेख है। अपेक्षाकृत बड़े–बड़े उद्योगों को जो कर्जे दिए जाते है अगर ये कर्जे ग्रामीण भाइयों को कुटीर और लघु उद्योगों के लिए दिए जाएं तो उससे बेरोजगारी की समस्या बहुत हद तक हल हो सकती है। मैं एक दो बातों की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। विद्यार्थीयों के लिए होस्टलों में उचित प्रबंध नहीं है, उनको किताबो और दूसरी चीजों तमे रियायतें दी जाएं। मैं समझता हूं कि सरकार की तरफ से विद्यार्थियों की समस्या की

ओर ध्यान दिया जाएगा। एक बात मैं हांसी तहसील की बाबत कहना चाहता हूं। मैं समझता हूं कि सारे हरियाणा में यह सबसे पिछड़ा हुआ इलाका है। पिछले तीस सालों में वहां के लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिल पाया है। वहां पीने का पानी खारा है। मैं पिछलें दिनों एक ऐसे गांव में गया और देखा, आप यकीन मानिये कि जो वहां गांव में तालाब था या जोहड़ था उसमे पानी की एक बूंद भी नहीं थी और डंगर तक प्यासे थे। यही हाल दूसरे बहुत सारे गांवों में है। हमारी सैंट्रल गवर्नमैंट और राज्यपाल महोदय की कृपा हुई और नहर आ गई, जोहड़ों में पानी आ गया, पता नहीं कितने प ाु मरने से बच गए। अन्त में एक बता मैं और कहूंगा कि एग्जैक्टिव और जुडि ायरी की तरफ ध्यान देना आव यक है। सरकारी कर्मचारियों को साहस देना होगा, जुडि ायरी को साहस देना होगा ताकि वे लोग निश्पक्षतापूर्ण, साहसपूर्ण और सुचारू रूप से अपना कार्य कर सकें।

**(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)**

इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर राज्यपाल महोदय के अभिभाशण की प्र ांसा करता हूं कि यह हर प्रकार से परिपूर्ण है, हर प्रकार से अच्छा है।

**श्री हीरा चंद आर्य**(लोहरू): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा हो रही है। इस अभिभाशण मैं

मुख्य रूप से भ्रश्टाचार और पानी पर जोर दिया गया है। भ्रश्टाचार के संबंध में बोलने से पहले मैं पानी को प्राथमिकता दूंगा। खेती के लिए जो पानी का प्रबंध है, इससे पहले में पीने के पानी पर अधिक जोर दूंगा क्योंकि यह अतिआव यक है। बहुत से इलाके ऐसे है जिनमें मुख्य रूप से भिवानी डिस्ट्रिक्ट आता है, इहमें पीने के पानी का प्रबंध नहीं हैं। पीने का पानी कुछ गांवों में गया है, जहां 1960–65 से पानी के नलके लगे हुए थे। इन गांवों में आबादी काफी बढ़ चुकी है। आबादी बढ़ जाने के कारण पानी का खर्चा बढ़ गया है लेकिन पानी ज्यों का त्यों है, मिकदार में कोई बढ़ौतरी नहीं हुई। पिछले दो महीनों से लोगों में हाहाकार मचा हुआ है। मैं सदन का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहूंगा कि पानी के विशय पर वि ोश रूप से ध्यान दिया जाए। महेंद्रगढ़ पिछड़ा हुआ इलाका होने के कारण जनता बड़ी दुखी हैं। राज्यपाल के अभिभाशण में इसका जिक है। वास्तव में महेंद्रगढ़ जिला पिछड़ा हुआ है, लेकिन इसमें एक बात रह गई है जिसको भाामिल किया जाना अति आव यक था। भिवानी जिले में लोहारू तहसील अत्यन्त पिछड़ी हुई है। आज तक लौहारू तहसील में एक भी कालेज नहीं खोला गया। कालेज की अत्यन्त आव यकता है, बच्चों को दूर–दूर तक जाना पड़ता है। इसलिए अध्यक्ष महोदय आपके द्वारा मुख्य मंत्री का ध्यान इस तरफ आकर्शित करना चाहूंगा कि कम से कम हर तहसील लेवल पर एक कालेज अव य होना चाहिए जिससे पिछड़े हुए लोगों के बच्चे, गरीब किसानों के बच्चे, गरीब मजदूरों के बच्चें थोड़ै खर्च

से ि ाक्षा प्राप्त कर सकें। जब तक ि ाक्षा का प्रबंध नहीं होगा, तब तक हमारा देहात तरक्की नहीं कर सकता, इस विशय पर पहले जिक आया है कि भिवानी जिलें में पहले काफी पैसा खर्च किया गया है। मैं समझता हूं कि कैसा पैसा खर्च किया हैं इसमें दो राय नहीं कि पैसा खर्च नहीं किया, लेकिन जितनी भिवानी की तरक्की हुई है, वह तो कुछ परिवारो की उन्नति हुई है, पोतों की तरक्की हुई है, लड़कों की तरक्की हुई है, उनकी कोठियों में एयर–कंडी ानर हैं, बच्चे से लेकर बूढ़े तक के पास चार–चार कारें है। यह पैसा उनके लिए खर्च किया गया। उनकी नाक तक सीधा देखने के लिए घंटाघर गिराए गए। यह है भिवानी की तरक्की। गरीब आदमी का इस तरक्की से कोई संबंध नहीं।

इसके साथ ही साथ मैं इस बात की तरफ ध्यान दिलाना चाहता हूं कि सरकार की बहुत सी कस्टोडियन की जमीन है। इस जमीन पर गरीबों का कब्जा था, गरीब का त करते थे और ये इनसे 8 गुना लगान वसूल किया करते थें। लेकिन पिछले कुछ अर्से से 80 रूपया फी एकड़ साल का लगान वसूल करना भाुरू कर दिया है। इतने भारी लगान से गरीब किसान को खेती करना असम्भव है। इसलिए मैं सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि किसानों को यह लगान वापिस करें, आगे के लिए वसूल न करे। लैंड होल्डिंग टैक्स के सिलसिले में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण में किसानों की तरफ ध्यान देने की बात कही गई है। लैंड होल्डिंग टैक्स जिसको मुख्य मंत्री महोदय ने सवा 6 एकड़

तक मुआफ करने का एलान किया था, इसके साथ ही दूसरे भी लगान है, जो किसान के ऊपर लगे हुए है, जो लैंड होल्डिंग टैक्स से 4 गुना से लेकर 20 गुना तक लगे हुए है। इतने भारी टैक्स दुनिया के इतिहास मैं कहीं नहीं मिलेंगे, जो पिछली सरकार ने किसानो ंपर लगाए है।

इसके साथ ही साथ मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि किसानों को कर्जे के साथ–साथ कम्पलसरी खाद दी जाती है। जिस इलाके में पानी नहीं लगता, वहां खाद देने से क्या लाभ? इन किसानों को खाद देना सरासर गलती है, लेकिन इनको मजबूरन लेनी पड़ती है और होता यह है कि वह खाद जमींदार के मतलब की नहीं होती, उसे आधी कीमत पर बेचनी पड़ती है और घाटा गरीब किसान को भुगतना पड़ता है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जहां पानी नहीं है, वहा यह कम्पलसरी खाद न दी जाएं।

इसके अतिरिक्त गवर्नर एड्रैस में एमरजेंसी के दौरान हरियाणा में हुई ज्यादतियों का जिक आया। इन ज्यादतियों की तरफ वि ोश ध्यान दिया जाना चाहिए। इन ज्यादतियों के कारण जनता ने कांग्रेस का कु ाासन उखाड़ दिय है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह भाासन उखाड़ने से जनता को तसल्ली हो जाएगी। जनता ने जो राज को पलटा है, वह अन्याय के खिलाफ पलटा दिया है और यह जनता पार्टी का कर्तव्य है कि जो अन्याया हुआ है, उसकी जांच करवाई जाए। मैं समझता हूं कि यह कर्तव्य

अव य पूरा होगा। अभिभाशण में खर्चा थोड़ा करने पर वि वास दिलाया गया है और लघु उद्योगों की तरफ वि ोश ध्यान देने का वि वास दिलाया है, मैं समझता हूं कि ये आ वासन अव य पूरे होंगे। लोगों ने एक बात सीखी है कि जनता पार्टी ने उनके मुकाबले में 10 प्रति ात गलती की तो 30 साल तो दूर 3 साल भी जनता बरदा त नहीं करेगी।

किसान के संबंध में मैं मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहूंगा कि खेती के लिए किसानों को जो बिजली इस्तेमाल के लिए दी जाती है, उस पर जो रेट किसान से वसूल किया जाता है वह लगभग 20 या 21 पैसे पर–यूनिट आ जाता है।

इसके दूसरी तरफ बड़े–बड़े उद्योगपतियों के लिए 1 या 2 पैसे यूनिट रह जाता है। आप देखें 80 फीसदी आबादी देहात में है, जहां किसान बसते है। अगर आप ज्यादा नहीं कर सकते, तो कम से कम इतना कर दें कि किसान के लिए और छोटे उद्योग धंधों के लिए बिजली का बराबर–बराबर रेट वसूल किया जाए, ताकि किसान के साथ इंसाफ हो, और हम भी फख्र हासिल कर सकें कि यह किसानों की सरकार है, जनता की सरकार है, मजदूरों की सरकार है।

अध्यक्ष महोदय, आत्मा के संबंध में बातें कही गई है और वि ोश रूप से कहा गया है कि महात्मा गांधी के आदे ाों

के मुताबिक दे ा में जनता पार्टी की सरकार चलेगी। महात्मा गांधी से किसी ने पूछा था कि अगर आपको एक मिनट के लिए ताना ााह मुकर्रर कर दिया जाए, तो आपका सबसे पहला हुक्म क्या होगा। उन्होंने कहा था कि एक मिन्ट के लिए भी मुझे बना दिया जाए, तो मैं सबसे पहले न ाबंदी लागू करूंगा। तो मैं मुख्य मंत्री से प्रार्थना करूंगा कि न ााबंदी लागू करने का काम जल्दी से किया जाए। बहुत से झगड़ों की जड़, अध्यक्ष महोदय, भाराब है। इसकी वजह से लोगों के आपस में झगड़े होते है, फसाद होते है, अदालतों में मुकदमें चलते है और मजदूर लूटते है। इन सब बातों से बचने के लिए न ााबंदी लागू करना आव यक है तभी इस दे ा के किसान और मजदूर अच्छी तरह से बस सकेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी दरख्वास्त करूंगा कि जिस प्रकार से केंद्रीय सरकार ने एलान किया है कि जो कर्मचारी काग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण हटाए गए थे, उन्हें दुबारा नौकरी मे रखा जाएगा, उसी प्रकार से यहां भी बिना किसी हिचकिचाहट के आदे ा दे दिए जाएं, ताकि उनके साथ जो ज्यादती हुई है, वह बहाल हो सके।

इसके बाद, अध्यक्ष महोदय, मैं कर्जों की वसूली के संबंध में भी, जिसका कि यहां जिक आया था, कुछ अर्ज करना चाहता हूं। कुछेक छोटे–छोटे किसान है, मजदूर है और इनके पास कर्जा देने की रसीदें भी है लेकिन उनसे फिर भी वसूली की

जा रही है। मैं अर्ज करूंगा कि जो बड़े–बड़ें कर्जे वाले है, उनसे तो फौरन वसूल कर लिया जाए, लेकिन जिनके पास रसीदें है, जब तक उनका निपटारा न हो जाए, उस वक्त उनसे कर्जे की वसूली रोकी जाएं। अब चूंकि समय हो गया है, इसलिए मैं ज्यादा समय न लेते हुए, हालांकि कहने को बहुत सी बातें थी, अपना स्थान लेता हूं।

**Rao Birender Singh:** I wnat to speak on a point of Personal Explanation, sir.

**Mr. Speaker:** How much time do you want?

**Rao Birender Singh:** Only two/three minutes.

**Mr. Speaker:** Alright.

## व्यक्तिगत स्पश्टीकरण–

## राव वीरेंद्र सिंह द्वारा

**राव बीरेंद्र सिंह** (अटेली): माननीय अध्यक्ष जी, कुद देर पहले मेरे मुअजिज साथी स्वामी अग्निवे ा जी ने अपनी स्पीच में मेरे ऊपर कुछ इल्जाम लगया उसका जवाब देना मैं जरूरी समझता हूं। वैसे चूंकि वे नए मैंबर है होना तो यह चाहिए था कि मैं हंसकर टाल देता उनकी बात को, लेकिन भाायद आपके माध्यम से आयंदा वे समझ पाएं कि किस तरह हाउस में स्पीच होनी चाहिए इसलिए मैं यह निवेदन करने लगा हूं। मैं तो अर्ज करूंगा कि वे अच्छी तरह से रूल्ज पढ़ लें। गवर्नर के भाशण पर बोलते–बोलते

वे मेरे भाशण पर और चौधरी हरद्वारी लाल के भाशण पर बोलने लग गए और उनका सारा भाशण हमीं पर रहा। वैसे वे स्वामी है और इज्जत के काबिल है।–(विघ्न)–उन्होंने दो तीन बातें की। एक तो यह कि रिवाड़ में जब चंडीगढ़ के लिए आन्दोलन हुआ, तो मैं सो रहा था, लेकिन मैं उन्हें बता देना चाहता हूं कि चंडीगढ़ के संबंध में अगर आवाज किसी पार्टी ने उठाई है तो वह वि ाल हरियाणा पार्टी है। हरियाणा के हकूक के लिए अगर ज्यादा से ज्यादा लड़ाई किसी पार्टी ने लड़ी तो वह वि ाल हरियाणा पार्टी ने लड़ी। स्वामी जी की तरह मैंने कई प्लेटफार्म नहीं बदले। दस साल पहले मैंने जो प्लेटफार्म बनाया था हरियाणा के लिए उसी पर आज भी कायम हूं। किसी से ओहदा कबूल नहीं किया, कोई निजी स्वार्थ सामने नहीं रखा। जिस वक्त रिवाड़ी में गोलियां चल रही थी, वह इस बात का सबूत था कि हरियाणा के लिए अगर किसी इलाके ने खून दिया है, तो वह रिवाड़ी ने दिया है। जिस वक्त वहां गोलियां चल रही थी उस वक्त मैं उन ला ाों को उठा रहा था और उन अफसरान के साथ लड़ रहा था, जो जुल्म करा रहे थे। इसका जवाब इतना ही काफी है।

दूसरा इल्जाम स्वामी जी ने लगाया कि कालेजों के चंदे खाता है। स्पीकर साहब, आप तो खुद कालेज चला चुके है और बना चुके है और आप जानते है कि कोई कालेज बनाना कितना मु कल है और कितने बड़े डैफिसिट का काम है। यह तो

स्वामी जी का काम है कि वे हल्वे मांडे भी खाएं, चंदा भी इक्ट्ठा करें, चंदे में तुले भी, इलैक ान भी लड़े और दूसरो पर कीचड़ भी फैंके लेकिन मैंने चार कालेज नए बनाए। ये हरियाणा के बैकवर्ड इलाके में ही नहीं बनाए, बल्कि दिल्ली में भी बनवाए। दो पब्लिक स्कूल भी बनाए है। इन कालेजिज के लिए मैंने पांच लाख से भी ज्यादा अपनी निजी जायदाद दान में दी है और डैफिसिट को भी मैं किसी न किसी तरीके से पूरा करता हूं। अगर चौधरी बंसी लाल किसी कालेज में आए और उन्होंने कोई दान दे दिया सरकार की तरफ से तो वह स्पीकर साहब सभी कालेजों में दिया जाता है।

**Mr. Speaker:** Except mine for the last six years.....

**राव बीरेंद्र सिंहः** कोि ा ा तो आपने भी की होगी, नहीं दिया होगा किसी ने यह दूसरी बात है। हकीकत आप भी जानते है। तो इस तरह से इंस्टीच्यू ान का चलाना बहुत मुि कल होता है। पार्टी भी मैंने स्वामी जी की तरह नहीं चलाई। दस साल से मैं इस पार्टी को अपने घर के पैसे से चला रहा हूं।(विघ्न) तो स्पीकर साहब, पहली चीज तो यह कि किस हाउस की डिबेट का स्टैंडर्ड इतना नहीं गिरना चाहिए। आप जानते है कि यहां किसी मैंबर के खिलाफ पर्सनल अटैक नहीं होना चाहिए, यह रूल्ज कहते है। मैं उम्मीद करता हूं कि अगर आप चेयर पर होते तो जरूर इस चीज को रोकते। मैं तो स्वामी

नहीं हू। मैंने तो खानदान की जायदाद को फूंक कर तमा ाा देखा। पटवारी के कागजात इस बात के गवाह है कि मैंने 18–20 लाख रूपए की जमीन बेची है, अब तक जब से पालिटिक्स में आया हूं। इस तरीके से आगे भी चलना चाहता हूं। स्वामी जी यह समझे कि यह पब्लिक प्लेटफार्म नहीं है, जो बाते ये यहां करते है, इन्हे वे बाहर कहें। असैम्बली के अन्दर इस किस्म की चीजों का जिक नहीं होना चाहिए। अगर स्वामी जी का यह ख्याल है कि वे इस बिना पर मंत्री बनेंगे कि राव बीरेंद्र सिंह को कौन ज्यादा गालियां देता है, अगर उसका ख्याल है कि उन्हें मिनिस्ट्री में सीट मिल जाएगी, यदि वे अपने लीडरों को अपनी स्पीच की कापी पे ा कर देंगे, तो मैं बड़ा खु ा हूंगा यदि आप इन्हें जल्दी से इनको इनकी स्पीच की कापी सप्लाई कर दें।

## राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनराम्भ)

**मुख्य मंत्रीः** (चौधरी देवीलाल): स्पीकर साहब, आज गवर्नर साहब के एड्रैस पर श्री बलवंत राय जी तायल ने इस बहस को भाुरू करते हुए उसका समर्थन किया और कुछ सुझाव भी दिए। सरकार को चाहिए कि ऐसे सुझावों के ऊपर कुछ अमल करें। एक सुझाव जो श्री बलवंत राय जी तायल के अलावा स्वामी अग्निवे ा ने दिया, स्वामी आदित्यवे ा ने दिया और दूसरे साथियों ने भी दिया, वह भाराबबंदी का था। इस बारे में मैं इतना ही कह सकता हूं कि स्पीकर साहब सरकार तो कल ही बनाई है। कल ओथ लेने के बाद मैंबर बने है और चौधरी

भा ेर सिंह जी ने तो आज ही ओथ ली है तो मौजूदा हालात में इतना कहना चाहता हूं कि जहां भी कोई पंचायत यह प्रस्ताव पास करेगी कि हमारे गांव में भाराब का ठेका न हो, वहां से भाराब के ठेके हटा दिए जाएंगे। इसके अलावा और भी सुझाव आते रहेंगे लेकिन मेरे मुअजिज दोस्त राव बीरेंद्र सिंह जी ने बहस का आगाज करते हुए एक ऐसा मसला छेड़ा जो अब छेड़ा नहीं जाना चाहिए था। हम कोि ा ा कर रहे है पंजाब और हरियाणा के हालात को खु ागवार बनान की। यह ठीक है कि इलैक ान के दिनों में कांग्रेस पार्टी की तरफ से इस किस्म का प्रचार किया गया कि ब्यास और रावी के पानी का क्या होगा? कांग्रेस पार्टी ने कहा कि अगर जनता पार्टी जीती तो हरियाणा को रावी–ब्यास का पानी नहीं मिलेगा। स्पकीर साहब, लोगों में तो कहने की जुर्रत नहीं थी, लेकिन इ तहारों को हर जगह तक्सीम किया गया। स्पीकर साहब कुरूक्षेत्र के इलाके में सिक्ख भाइयों की आबादी वोटों के हिसाब से साठ हजार थी लेकिन हमने उनकों साढ़े छः लाख वोटों के लिए खड़ा किया। उनके मुकाबले में बहुत पूंजीपति श्री डी.डी.पुरी खड़े हुए। इ तहार बांटे गए और वे इ तहार गुड़गावां और पलवल के इलाके में भी गए। उन इ तहारों में चंडीगढ़ का भी जिक किया गया, पानी का भी जिक था और अबोहर और फाजिल्का का भी जिक था, जिसका जिक राव बीरेंद्र सिंह जी और चौधरी हरद्वारी लाल जी ने भी किया। मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि वे आज फाजिल्का तहसील के पांच गांवों के नाम नेकल सुना दें। फाजिल्का का संबंध मेरे से

है और इधर सिरसा से संबंध सरदार प्रका ा सिंह बाद का है, लेकिन दर्द इनको उठा है।

जिन दिनों में इलैक ान हो रहे थे, उन दिनों और ज्यादा न कहते हुए मैं एक जिक्र किया करता था कि हमारा आपस में पंजाब के साि कोई झगड़ा नहीं है। हम हरियाणा और पंजाबी सूवा वाले आपस में मिल कर झगड़ों को तय कर लेंगे। मैंने हरियाणा की डिमांड भ्रू की थी और आज हरियाणा और पंजाबी सूबा आप लोगों के सामने है। पानी के संबंध में कोई झगड़ा नहीं था। हम उसे आपस में बैठ कर तय करेंगे। मैं उन दिनों कहा करता था कि हमारा झगड़ा तो सिर्फ एक ही होगा और 27 तारीख को जब मैं भट्टू गया तो वहां भी लोगों ने मुझ से पूछा कि चौधरी साहब आप कहा करते थे कि बादल साहब का और आप का झगड़ा होगा, तो उन्होंने हमारी अपनी भाशा में पूछा कि ''मेह तो अडिकै हा थारो झगडों कद हो सी।' वह झगड़ा क्या था, जनता में इस किस्म की लहर उठी हुई है, जनता पार्टी जिस का कृश्ण जी की तरह जन्म जेल में हुआ था और कंस का जिस तरह से वध किया था इसी तरह से कांग्रेस का भी अंत हुआ। जनता पार्टी का जन्म जेल में हुआ और इधर से बाबू जगजीवन राम जी के आने के बाद जनता पार्टी में एक नई रूह पैदा हुई हालात इस किस्म के पैदा हो गए थ और मैं उस वक्त यही कहा करता था कि आप लोग हम लोगों को लड़ाएंगे। मैंने ये बाते चौधरी चरण सिंह जी, मोरार जी देसाई से, अटल बिहारी वाजपेयी

से और बाबू जगजीवन राम जी से कहा करता कि आप लोग हमें लड़ाओंगे। वह कैसे? हमें आसार ऐसे दिखाई देते थे कि सैंटर में जनता पार्टी की सरकार होगी, फिर पंजाब की असैम्बली टूटेगी फिर हरियाणा की असैम्बली टूटेगी उधर श्री प्रका ा सिंह बादल ताकत में आएंगे और इधर हम ताकत मैं आएंगे, तो उस वक्त हमारी लड़ाई होगी कि बंसी लाल जो को करनाल की जेल में डाले या, महेंद्रगढ़ की जेल में डाले। यही इन्तजार भट्टू के लोगों को थी। भट्टू में 25–30 हजार की हाजरी में लोगों ने मांग की कि चौधरी साहब ''मेह तो ईह अडिग मे हा कि थारी लड़ाई कद होसी।'' मेरे कहने का मतलब यह है कि एक ऐसा मसला जो हल हो रहा है कि जिस पर झगड़ें की कोई चीज नहीं है, हमारा नि ाना तो एक ही है और इस अभिभाशण में आप ने देखा नहीं, गवर्नर साहब ने साफ लफ्जों में कहा कि भ्रश्टाचार समाप्त हो, सिंचाई का पानी पर्याप्त हो। दूसरे लफ्जों में मेरा दो हरफी प्रोग्राम है कि भ्रश्टाचार बंद हो और पानी का प्रबंध हो। उसके लिए हम खामो ाी से नहीं बैठें है। हमारे हरियाणा के इंजीनियर सतर्क है। रास्थान नहर का कुछ पानी इस ढंग से जा रहा है जो गांवों को डूबो रहा है। वह पानी हरियाणा और पंजाब से गुजर रहा है लेकिन हमें मिल नहीं रहा है। पंजाब के इंजीनियर भी वहां गये है कि उस पानी के मसले का हल किया जायें। यह नहर तो बीस साल तक खुदेगी क्योंकि उसके ऊपर तो अभी तक काम चल रहा है, फिर बाद में हमें वह पानी मिलेगा। अब जो पिछली सरकार थी उसने लाखों रूपया खर्च किया था।

आपको याद होगा जब रोड़ी का इलैक ान हुआ था उस वक्त मैंने वह मसला उठाया था और इलैक ान के दिनों में मैं कहा करता था कि यह इलैक ान रोड़ी का है असेम्बली का नहीं है। असेम्बली तो दो दिन की है। यह मसला हल होगा तो दे ा की किस्मत का फैसला होगा। इससे दे ा में वातावरण बदलेगा। मोहतरीम दोस्त श्री पोसवाल साहब, आपने तो मुझे केवल दो ही दिन रहने दिया था। यहां आ कर बैठा ही था और सीट तला ा कर रहा था इधर ट्रेजरी बैंचीज से श्री बंसी लाल जी ने कहा कि चौधरी साहब आपकी सीट वह है। प्रैस वालों को भी याद होगा, मैंने उस वक्ता कहा था कि मुझे बहम हो गया है और भाक पड़ता है कि भाायद मेरी सीट तो यह होगी(तालियां) मैं कहने के मुताबिक उस सीट पर आ गया हूं। मैं चीफ मिनिस्टरी के लिए नहीं आया हूं, मेरे सामने कुछ उद्दे य है। मैं बचपन से अंग्रेजों के खिलाफ इसलिए नहीं लड़ा था कि मुझे जेल जाने की खपत थी, मैं हरियाणा के वास्ते इस वास्ते नही लड़ा था कि मैं हरियाणा का चीफ मिनिस्टर बनना चाहता था। मेरे भाई राव बीरेंद्र सिंह जी को याद होगा कि जिल दिनों हम पंजाबी सूबे और हरियाणा सूबे की लड़ाई लड़ रहे थे, उस समय सन् 1964 में रोहतक के अन्दर मुझे ऐलान करना पड़ा था क्योंकि मेरे खिलाफ इस किस्म का प्रचार हो रहा था कि सरदार गुरनाम सिंह पंजाबी सूबे की लड़ाई इसलिए लड़ रहे है ताकि पंजाब के चीफ मिनिस्टर बन जाएं और देवीलाल जी इसलिए लड़ रहे है कि वे हरियाणा के चीफ मिनिस्टर बन जायें। मैंने सन् 1964 की प्रैस कांफ्रेंस में

ऐलान किया था कि 1967 के इलैक ान में मैं उम्मीदवार नहीं हूंगा। मैं न ही असैम्बली का मैम्बर बना और न ही किसी साथी के रास्ते में रूकावट बना। मैंने सन् 1967 में इलैक ान नहीं लड़ा था। मेरे कहने का मतलब यह है कि राव साहब ने एक ऐसा मसला उठाया जो इस वक्त नहीं उठाया जाना चाहिए था। हम अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा करेंगे कि विरोधी पार्टी की तरफ से जो सुझाव आयें है उन पर अमल करें। चौधरी हरद्वारी लाल जी ने कुछ ऐसे सुझाव दिये है और मैं समझता हूं कि उनके सुझाव मुझे मिलते रहेंगे। मैं जानता हूं कि अपोजी ान अगर अपोजी ान की नीयत से कोई बात कहे तो मानी नहीं जा सकती लेकिन इस नीयत से कहे कि कुछ हरियाणा में करना है और उनके अच्छे सुझाव आयें तो उनको मानना हमारा फर्ज हो जाता है। चौधरी हरद्वारी लाल जी ऐजुके ान के बारे में ज्यादा जानते है। वैसे ऐजुके ान मिनिस्टर मैं हूं मैं ज्ञानी करतार सिंह की तरह से ऐजुके ान को क्या जानू? ऐजुके ान में तो आप ऐक्सपर्ट है, इनके जो सुझाव मिलेंगे उनको हम मानेंगे और मानने भी चाहिए। राव साहब ने यह भी कहा कि असेम्बली ने इत्तेफाक राय से यह रेज्योलू ान पास किया था कि चंडीगढ़ और फाजिल्का अबोहर हरियाणा को दिये जाएं। राव साहब मैं भी उस रेज्योलू ान में भाामिल था। वह आपका रेज्योलू ान नहीं था मेरा रेज्योलू ान था। आपको रेज्योलू ान का पता तो अब लगा है जब पार्लियामैंट के इलैक ान में एक माली के मुकाबले में हार गये। अब जो फौज लेकर वि ाल हरियाणा पार्टी की आये हो

और यहां कहते हो कि वि ाल हरियाणा के लिए लड़ते रहे हो। वि ाल हरियाणा पार्टी साल साल तक जेल में थी, उसका कोई दफ्तर नहीं, कोई ओहदेदार नहीं।

हम तो चाहते है कि वि ाल हरियाणा पार्टी बने। राव साहब, आज से पंद्रह साल पहले दिल्ली में जलसे हुआ करते थे वि ाल हरियाणा के जिसमें यू0पी0 से भी लोग आया करते थे, राजस्थान के भी 58 मैम्बर आया करते थे, पंजाब से भी आया करते थे। मैंने तो कभी राव साहब को देखा नहीं था। जिन दिनों मैं हरियाणा की लड़ाई लड़ा करता था उन दिनों में रामपुरा में वि ाल हरियाणा के खिलाफ जलसे हुआ करते थे आज वि ाल हरियाणा पार्टी वाले कह रहे है कि हम सब से ज्यादा है।

**राव बीरेंद्र सिंहः** यह बात आप बिल्कुल गलत कह रहे है।

**चौधरी देवी लालः** मैं तो रिकार्ड की बात कर रहा हूं। आपके पास जिस वक्त चौधरी बंसी लाल गए थे, मैं उस कहने को अच्छा नहीं मानता, उन्होंने राव तुला राम को गद्दार कहा था जिन्होंने दे ा की आजादी की लड़ाई लड़ी थी। उस जलसे में मैंने भी रिकार्ड पे ा किया था। राव साहब को याद होगा। आपकी जो स्पीच थी वह भी पे ा की थी। हरियाणा के तो आप सदा विरोध में रहे है। रेजोल्यू ान का जहां तक ताल्लुक है स्पीकर साहब, सब को पता है कि इनको चीफ मिनिस्टर किन

हालात में बनाया था। मैंने कल जो कहा ाि कि स्पीकर बनाया था लेकिन मुझे पता था कि यह लालच कहीं बढ़ता गया तो कहीं पार्टी को ले न बैठे इसलिए चीफ मिनिस्टर बनाया था दूसरे दिन। राव साहब तो चीफ मिनिस्टरी के लिए लड़ रहे थे हरियाणा के लिए नहीं लड़ रहे थे। वि ाल हरियाणा पार्टी मैंने कभी नहीं देखी, कोई जलसा नहीं देखा, बरसते है स्वामी जी पर। लेकिन राव साहब कोई मामला छुपा हुआ नहीं है। अगर पिछली फाइलें निकालें, अखबारों में भी देखें तो सारी बात आपके सामने आ जाएगी। उन दिनों जब हमने ढ़ाई लाख का जलूस निकाला था और उधर पंजाब का जलूस चंडीगढ़ मं निकला था पंजाबी सूबा के लिए। मैंने तो राव साहब को कहीं नहीं देखा था। मेरे ख्याल में मेरे मोहतरिम दोस्त पोसवाल भी चूंकि मुसकरा रहे है यह भी इसके गवाह है। (व्यवधान) अब राव साहब ने यह भी कहा कि जहां हरियाणा की बेहतरी का सवाल होगा, हरियाणा की डिवैल्पमैंट का सवाल होगा, हम सरकार का पूरा साथ देंगे। हम तो चाहते है कि आप लोगों का साथ मिले ताकि हरियाणा की डिवैल्पमैंट हो। हम तो चाहते है कि 'बी' के जमाने में किसी तरीके से बैकवर्ड दूर हो जाती। अब लोगों ने 'डी' को समझा डिवैल्पमैंट के लिए। भाायद डिवैल्पमैंट में आप मेरा साथ दे लेकिन इसके साथ ही साथ राव साहब ने कहा कि हम हर कुर्बानी करेंगे। जैसी ऐमरजैंसी में कुर्बानी दी थी वैसी तो देना न, वैसे हम हर तरह का तआवन आप लोगों से चाहेंगे।(तालियां)

राव साहब ने पानी और हैड वर्क्स पर मु तरका कंट्रोल की बात भी कही। यह बात हमारे दिमाग में भी है राव साहब। स्पीकर साहब पानी के लिए हम हर मुमकिन कोि ा ा कर रहे है। हमारे सामने यह बड़ी दिक्कत है और इसको दूर करने की जरूरत है और यह दिक्कत सिर्फ हमारे सामने ही नहीं है राजस्थान के सामने भी है। राजस्थान कैनाल से एक लिंक निकली है हरियाणा के इलाके में। उस लिंक में पानी राजस्थान का है। करनीसी ब्रान्च से जो सरदूल ब्रांच में जानी चाहिए और हरियाणा की गवर्नमैंट ने वह बनाकर दी है राजस्थान सरकार को और मैं पोसवाल साहब का बड़ा म कूर हूं। इनके सामने उनके ही इंजीनियर आए थे। आपने लिंक बनाकर दी लेकिन जिस सरकार की यह मदद कर रहे थे उस सरकार ने इनकी कोई मदद नहीं की। अब लिंक तैयार है। पैसा दिया हुआ है लेकिन राजस्थान को पानी नहीं मिल रहा है। यह एक स्टेट का कंट्रोल राजस्थान को भी तंग कर रहा है, हमको भी मु कल मैं डाल रहा है। हम भी राव साहब की इस सजै ान को मानकर पूरी कोि ा ा करेंगे कि किसी तरीके से कंट्रोल तीनों स्टेटों का मु तरका हो जिससे हमारा यह मसला हल हो सकें। बड़ी अच्छी सजै ान है कि भाराब की जरूरत नहीं हैं। मैं तो इस भाराब के लिए 1930 में लाहौर में पिकटिंग के लिये गया था और हमारे पंद्रह साथी गए थे। तीन को पकड़ लिया। पैसा खत्म हो गया। रास्ता जानते नहीं थें। उन दिनो जाट भाई सीधे सादे और भोले थे। लाहौर से वे कसूर होते हुए रेलवे लाइन के साथ भटिंडा के

जरिये गावं पहुंचे थे। हमने तो उसक वक्त भी कोि ा ा की थी। मैं तो कहता हूं कि राव साहब की स्पोर्ट से पिछलें दिनों जो सरकार चल रही थी उसने ऐडमिनिस्ट्रे ान को इतना ज्यादा बढ़ा दिया बाबू जी ने भी इ ाारा किया, सभी लोग कहते है कि जब पाकिस्तान नहीं बना था, उस वक्त पांच डिवीजन होते थे। बताने की जरूरत नहीं– मुल्तान, रावलपिंडी, लाहौर, जालंधर और अम्बाला। पांच कमी ानरों से काम चलता था। पाकिस्तान बन गया। दो डिविजन रह गए जालंधर और अम्बाला तो दो कमि नरों से काम चलता था। आज अकेला अम्बाला डिवीजन है लकिन 16 कमि ानर है। राव साहब यह आप लोगों की मेहरबानी से है। राव साहब, भाराब की आमदनी बढ़ाने के लिए यह सारा खर्चा बर्दा त करते रहे। इसकी पच्चीस करोड़ की आमदनी है। रास्ता बता दो मैं तो आज बंद कर दूं। यह मैं आपकी राय मानता हूं। मेरे ख्याल में आप हमारा साथ देंगे। मेरी यह भी कोि ा ा होगी कि ऐडमिनिस्ट्रे ान जो इतना हैवी है, जिनकी जरूरत नहीं है वह कम किया जाए ताकि कुछ खर्चा कम हो और उस हालत में राव साहब की भाराब बंदी की जो राय है उसको भी मानने की मैं पूरी कोि ा ा करूंगा।

अब राव साहब ने कहा कि बहस के लिए पूरा टाईम मिलना चाहिए। यह असैम्बली जल्दी खत्म न होने दी जाए। राव साहब हम तो पहले भी मांग किया करते थे और पोसवाल साहब पीछा छुड़ाकर भागने की किया करते थे और एक दिन में

दस–दस और पंद्रह–पंद्रह बिल पास हो जाया करते थे। जब हम मांग किया करते थें तो आज आपकी मांग को हम क्यों नहीं मंजूर करेंगे? आपने यह भी कहा कि जो पहले कहा करते थे वह करोगे भी क्या। हम कहा करते थे करने के लिए, कहने के लिए नहीं कहा करते थे। (तालियां)। आप लोगों को खुलकर बहस करने की इजाजत होगी। लेकिन आज कुछ मु कलात ऐसी है कि राव साहब 15 तारीख को सै ान होगा क्योंकि राज्य सभा के इलैक ान के लिए 16 तारीख की वोटिंग होगी। उसके बाद खुला टाईम होगा। जितना चाहोगे उतने दिन सै ान चलेगा। अब हम इसलिए जल्दी सै ान खत्म कर रहे है क्योंकि बारह तारीख तक रिटर्न दाखिल करनी है। कहीं चौधरी साहब रिटर्न दाखिल करें न, उदयसिंह कर दें। समय हर आदमी को मिलना चाहिए ताकि अपने घरों में जाकर अपन रिटर्न दाखिल कर दें। आपसे डरने की जरूरत नहीं है। साथ ही आपने यह कहा कि हम सरकार तोड़ने की को ि ा ा नहीं करेंगे। यह तो मुझे पता है कि आपकी तोड़ने की औकात ही नहीं। राव साहब ने एक सुझाव दिया है कि यह सरकार सरमायेदारों से बचे तो मेरे दिल में बड़ी इज्जत होगी मगर डर है कि उनके जाल में फंस न जांए। मैं आपकों याद दिला दूं कि आप भी वजीर थे सयुंक्त विधायक दल की सरकार बनी थी, भाायद याद होगा। मूल चंद जी भी वजीर थे। हमने यहां मीटिंग की थी। उसमे ंपहला फैसला यही किया था कि जो आज अब इस सरकार ने किया है कि किसी सरमायदार, किसी बिग हाउस के यहां हमने न चाय पीनी और न

रोटी खानी। स्पीकर साहब, उससे अगले दिन जमुनानगर, जगाधरी में पचास हजार की हाजिरी थी, चालीस हजार की थैली मिली थी, याद है बाबू जी। और लैक्चर दिया थापर साहब के खिलाफ, पुरी साहब के खिलाफ अगले दिन स्पीकर साहब, हम दिल्ली गये वहां पता नहीं एक सज्जन थे उनका भाायद नाम इन्द्रदेव था। उनके यहां राव साहब चाय पी रहे थे। मैंने कहा कि राव सहब कल ही तो हमने यह फैसला किया थ और आज आप चाय पी रहे है तो उन्होंने कहा कि चैम्बर आफ कामर्स की तरफ से ही–(हंसी)–तो मैंने कहा कि यह तो उनकी भी मां होती है। राव साहब हम आपकी राय मानेंग, किसी इंडस्ट्रीलिस्ट के यहां खाते पीते देख लो किसी बड़े साहूकार चौधरी और सरदार के जिसकी बाबत जरा भी भाक हो कि चाय और रोटी खाने का फायदा न उठा ले मेरे मिनिस्टरों का यह फैसला है कि हम ऐसी हरकत नहीं करेंगे यह बात हम आपकी मान लेते हैं। इसके साथ राव साहब ने फरमाया कि जो बड़े कुरप्ट आदमी है, बड़े बड़े पोलिटि ान जो है उनके खिलाफ इन्कवायरी करवायी जानी चाहिये और साि ही साथ उन्होंने डर भी दिखाया। उनको यह डर है कि ये इंकवायरी करवांएगे नहीं क्योंकि उनके ईर्द गिर्द वे चक्कर काट रहे है। राव साहब अभी किसी की मेरे ईर्द गिर्द चक्क्र काठने की ऐसे कोई लोग हिम्मत नहीं है, उसके बाद भाायद कोई क्लाउन आ जाए लेकिन मैं आपको तसल्ली दिलाता हूं कि मेरे गिर्द इस किस्म के लोगों की और न ही मेरे मिनिस्टरो के गिर्द चक्कर काटने की ऐसे कोई लोग हिम्मत कर सकते है।

साथ ही साथ राव साहब ने स्पीकर साहब यह भी कहा कि काम करने वाल टीम चाहिए। जो टीम है वह अच्छी नहीं है। टीम तो राव साहब मैंन अच्छी चुनी थी। और उस टीम का आपको कैप्टन बनाया था लेकिन वह टीम चल नहीं पाई। Here is Mr. Jagjit Singh Pohloo, यह प्रैस वालों को भी कहा करते थे उनको याद होगा और ये किसी को तोड़ कर ले जाने में कितना फख्र समझते थे और कहते थे कि मिनिस्टरी छोटी हो। 22 के लगभग मिनिस्टर हुआ करते थे आपके जमाने में याद है कि भूल गये। (तालियां) राव साहब ने यह भी कहा कि डा0 मंगल सैन जी को डिप्लोमा मिला थ बीच में ही छीन लिया ओर अब यह डिप्लोमा कोई छिन नहीं सकता उनकी ताकत दिन ब दिन बढ़ती ही जाएगी। ऐग्रीकल्चर के बारे में भी कहा और पिछली सरकार की नुकताचीनी भी की और हम से तआवन का वायदा भी किया। तो स्पीकर साहब नुकताचीनी हमारे खिलाफ तो है नहीं क्योंकि हमारी सरकार तो कल ही बनी है। अब जितनी भी नुकताचीनी हुई है, नसबंदी की, करप् ान की, ऐडमिनिस्ट्रे ान की कि ठीक नहीं चल रही तो उसकी हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। वह जिम्मेवारी उस सारकार पर थोपने की आपने पूरी कोि ा ा की। अब पिछले इलैक् ान में चौधरी बंसी लाल जी का और राव साहब का पूरा गठजोड़ था। ये सारे मिल कर चलते थे। वह दूसरी बात है कि अब राव साहब के रूक्के चलने से रह गये। पहले रूक्का चलता था कि राव साहब का हुक्म है कि वोट फलां को दो। इसलिये बेचारे रह गये। तो ये तो हमारे ऊपर कोई इल्जाम

लगाएं तो हमारे साथ ज्यादती होगी। हिंदू सक्सै ान ऐक्ट जो था उसके बारे में मैं इतना ही कहूंगा कि यह तो सैंटर का मामला है। राव साहब हम भी चाहते है क्योंकि इस मामले पर हमारी भी घरों में लड़ाई हो जाती है। बहन भाई के दु ामन को जमीन देकर जाती है लेकिन इस मामलें में भी हम अपनी सरकार की तरफ से सेन्टर पर असर डालने की कोि ा ा करेंगे ताकि इससे हमारा छुटकारा हो जाए। चौधरी हरद्वारी लाल जी ने कहा कि हमारी कुछ जाती बातें है समझौता हुआ था पर निभाया नहीं। हम बड़े अच्छे दोस्त थे। दोनों एक ही जेल में इक्ट्ठे रहे थे सलाह म ाविरा किया करते थे और उनकी म ाहूरी की मैं जरूरत भी समझता हूं। जिन्हें लड़ाई की आदत है वह चुप रह नहीं सकता पर इनकी काबलियत से तो कोई इन्कार नहीं कर सकता जिसका सबूत उन्होंने हाई कोर्ट में दिया है। चौधरी हरद्वारी लाल और हमारी बदकिस्मती यह है जिसका इलाज ने मेरे पास है और न ही उनके पास है। (हंसी) हम तो स्पीकर साहब चाहते थे कि वे हमारी पार्टी में आएं लेकिन उन में पे ोंस नहीं रहती वैसे ही स्टेटमेंट दे दिया कि हम किसान मजदूर पार्टी बना रहे है।

**चौधरी हरद्वारी लालः** आप ने अखबारों में छपवा दिया होगा।

**चौधरी देवी लालः** अखबार में जो आया वह गलत होगा। हम दोनो तो गलती के ि ाकार होते रहे है। चौधरी

साहब ने कहा है कि इन्कवारी होनी चाहिये। चौधरी साहब इन्कवारी करवाने में किसी बात की कसर नहीं छोड़ेगे पर कुछ बातें ऐसी होती है जो पोलिटिकली स्ट्रैटिजिकली और ऐडमिनिस्ट्रेटिवली चलाने वाली होती है। जैसा आप चाहते है भाायद उस से ज्यादा हम कर ही चुके हों, किसी कुरप्ट आदमी को अफसर को सरकारी कर्मचारी को बख्भाा नहीं जायेगा लेकिन इस मामले में हम आपकी कोआपरे ान चाहेंगे। मुझे उम्मीद है कि आप हमारे साथ कोआपरेट करेंगे पर राव साहब से मुझे ऐसी कोआपरे ान की उम्मीद नहीं है। (हंसी)

**राव बीरेंद्र सिंहः** फूट डाल रहे हो। (हंसी)

**चौधरी देवी लालः** किसी एक साथी ने ऐडवोकेट जनरल की बाबत कहा और यह कहा कि हाई कोर्ट में किसी ऐसे आदमी को बैठाना चाहिये जिससे कि स्टेट की बेइजती न हो। अगर हमें ऐसी जरूरत हुई तो हम आपकी खिदमत जरूर लेने की कोि ा ा करेंगे (हंसी) और हमें उम्मीद है कि आप आनरेबली हमारे काम भी आएंगे और इस में कोई भाक नहीं कि 'who's who' तो आप लिखोगे ही यह तो आपकी हाबी है, ऐसी आपको हमे ाा खुली छूट रहेगी। आप छपवा लेना उस में थोड़ा बहुत सहार हम भी दे देंगे, कम से कम हमारा नाम तो आ जाएगा। चौधरी हरद्वारी लाल जी ने यह मान लिया कि चुनाब बिल्कुल दुरस्त हुए है। यह भी उन्होंने अच्छा किया। इसके साथ साथ उन्होंने कुछ लोगों की बाबत कहा कि वह तसदीक ाुदा बदमा ा है। वह

आपके दोस्त है, मेरे तो पहले नहीं थे। (विघ्न) आपने ही दिल्ली में स्कूल खाली करवाया था, मैं तो देख रहा था। मैं कोि ा ा करूंगा चौधरी साहब कि वे लोग मेरे नाम का नाजायज फायदा न उठा सके। आपने कहा कि पिछले दस सालों में टैक्सों में बड़ा इजाफा हुआ है। इसमें हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं हैं। जिम्मेवारी तो उनकी है। थोड़ी सी जिम्मेवारी आपकी है क्योंकि इस इलैक ान में आपने उनको कामयाब करने की कोि ा ा तो की उनका थोड़ा सा साथ तो दिया है, चाहे इनडायरैक्टली दिया हो, पर मैंने तो मुखालतिफ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आगे चल कर चौधरी साहब ने यह कहा कि पांच छः सौ करोड़ का कर्जा है। जराये तो हमें बताओ पर कोई ऐसा तो बताना न (विघ्न)।

**चौधरी हरद्वारी लालः** हरियाणा भवन बेच दो। (हंसी)

**चौधरी देवीलालः** ऐसा जराय बताना उस पर हम अमल करेंगे। हम भी तब तक दुखी है जब तक यह कर्जा नहीं उतरता। सब से ज्यादा फिकर मुझे एक ही बात का है। जलसों में मैंने लोगों को कहा कि आप लोगों ने हम पर जो उम्मीदे रखीं है हम आपको ना–उम्मीद नहीं होने देंगे। (तालियां) उनको हम ना–उम्मीद नहीं होने देंगे जब हम कहे के मुताबिक काम कर पाएंगे। आज जो हालात खजाने की है उसके बारे में पोसवाल साहब को भी पता है। अब इन हालात में अगर टैक्स बढ़ाए तो जनता खा जाए। अगर टैक्स न बढ़ाए तो आपके कहने के

मुताबिक काम नहीं कर सकेंगे। इसलिये ऐसे जराये बताते रहें जिससे काम सुचारू रूप से चलता रहे। हम अपोजी ान की हर राय को नुकताचीनी को सुनेंगे बरदा ात करेगें और इस तरह से अमल करने की कोि ा ा करेंगे। सिर्फ एक बात से चौकन्ना रहूंगा कि हमें मारने के लिये न खड़े हो जाना। (हंसी) खम्भे और टयूबवैल देख कर डर लगने लग गया और उन दिनों में तारों को हाथ लगाने से डर लगता था क्योंकि उन दिनों के चीफ मिनिस्टर कहा करते थे कि गांव गांव में बिजली पहुचा दी । वे मजाक में कहा करते थे कि जो लोग कहते है कि बिजनी नहीं पहुची है वे तारों में हाथ लगा कर देख लें लेकिन मैं कहता हूं कि वाक्या ही कोई खतरा नहीं है जिन्दगी को, हाथ लगा कर देख लो। चौधरी बंसी लाल कहा करते थे कि भाई अगर मैं ऊंट की पूछ पकड़ लूं तो उसे भी न छोडू यह तो कुर्सी है। लेकिन जनता जनार्दन ने नक ाा बदल दिया। पूंछ भी गई और कुर्सी का तो पता ही नहीं । हमने भी अगर वैसे ही कारनामें कियो तो हमारी भी वही हालत होगी। मैं यहां इस कुर्सी के लिये नहीं बैठा हूं यह कुर्सी किसी वक्त भी मैं छोड़ सकता हूं। जब मुझे ऐसा लगेगा कि नि ाना पूरा नहीं हो रहा है तो मैं इस कुर्सी को भी छोड़ दूंगा। मुझे उस नि ाने को पूरा करने के लिये लीडर आफ दी हाउस बनाया गया है।

इसके अलावा मेरे साथियों ने बहुत सुझाव भी दिये है। जिनमें से एक सुझाव ि ाक्षा की बाबत भी है। मैं कोि ा ा

करूंगा कि ज्यादा से ज्यादा स्कलों को अप–ग्रेड किया जाए लेकिन उसके साथ साथ मेरी सबसे ज्यादा कोि ा ा यह होगी कि देहात जो बड़ी आबादी के है जिनकी 7–8 हजार की आबादी है वहां गर्ल्ज स्कूल बनाए जाएं क्योंकि हरियाणा में सब से बड़ी दिक्कत यही है सिवा उन लोगों के जो वकालत करते है या जो सर्विस में है उनके सिवाए किसी की लड़की कालेज में पढ़ाई नहीं कर सकती। मैं खुद भी अपनी पोतियों को कालेज भेजते हुए घबराता हूं। इसलिये जब तक बड़े गांवों में स्कूल कालेज नहीं होंगे तब तक लड़कियों की यह समस्या सुलझेगी नहीं। ऐसा करने से लड़कियां अपनी बहिन के पास, अपने मामा के पास या अपनी बुआ के पास जाकर पढ़ सकती है। मैं इस तरफ पूरा ध्यान दूंगा और इसके साथ–साथ जहां जरूरी होगा, लड़कों के स्कूलों को भी अप–ग्रेड करने की कोि ा ा करूंगा।

सड़कों का जहां तक ताल्लुक है। सड़कें आठ साल से खाली पड़ी थी। मैं अभी भट्टू गया वहां पर एक चारी मील सड़क का टुकड़ा है जोकि आठ साल से बीच में ही पड़ा है। मैंने प्रोग्राम इस तरह से बनाया कि डी0सी0 साहब का टैलीफोन आया कि चौधरी साहब को कहो कि फतेहाबाद होकर जाएं क्योंकि इस तरफ से कोई सड़क नहीं हैं। मैंनें कहा मैंने जाना इसी रास्ते है। जब मैंने दस रोज यह फैसला किया तो 1500 मजदूर लगा दिए और मैंने यह कह दिया कि 15 दिन में यह सड़क तैयार हो जाए। उस चार मील के टुकड़े की वजह से 35 किलोमीटर का

फर्क पड़ा है। और भी कई जगह ऐसी सड़कें बनी है जो प्लानिंग से नहीं बनी। मैं जितने भी काम करूंगा आप लोगों की मेहरबानी से और सहयोग से प्लानिंग से करूंगा। मैं यह नहीं सोचूंगा कि बाबू मूलचंद जी के हल्के में दो मील का टुकड़ा कर दूं, मैं यह नहीं सोचूंगा कि राव बीरेंद्र सिंह के हलके का काम बीच में छोड़ दूं। जहां तक डिवैल्पमैंट का ताल्लुक है वह प्लानिंग से ही होगी।

सैलाब भी एक बहुत बड़ी समस्या है। मेरी कई दोस्तों ने इसको याद दिलवाया। मैं समझता हूं कि महकमें की लापरवाही से सैलाब आती है। मैं आज हाउसे में इस महकमे को वारन करता हूं और ए योरेंस कमेटी में भी ये लफज आएंगे। मैं चाहूंगा कि सबसे पहले इस सैलाब की रोकथाम अभी से ही की जाए वरना बारि ा आने के बाद तो तूफान खड़ा हो जाएगा। (तालियां) गोहाने का इलाका नरवाने का इलाका झज्जर और फरीदाबाद का इलाका और झज्जर के लिये तो मेरी कैरों साहब से लड़ाई हुई थी तो वह लड़ाई हम दोनों ही लड़ेंगे आप फिकर न करें। मैं चाहूंगा कि सैलाब की रोकथाम जल्दी से जल्दी हो।

इसके अलावा मुलाजिमों की विकटेमाइजे ान की बाबत कहा गया। हम पूरी कोि ा ा करेंगे कि जो मुलाजिम विक्टेमाइज हुआ है सस्पैंड हुआ है या रिवर्ट हुआ है उसको दोबारा बहाल किया जाए। यह हमारी सरकार की पालिसी है जैसे रेलवे मुलाजिम विक्टेमाइजे ान की वजह से रिवर्ट कर दिये थे,

सस्पैंड कर दिये थे या उनकी सर्विस टर्मीनेट कर दी गई थी। उसी तरह से टीचर्ज के साथ या दूसरे मुलाजिमों के साथ जो सलूक हुआ है वह उसी तरह नहीं रहने दिया जायेगा। उनकी विक्टेमाइजे ान दूर की जाएगी और उनको दुबारा बहाल किया जाएगा। (तालियां) ज्यादतियों की तहकीकात के बारे में कहूंगा कि ये तो हमारे साथ हुई है.....

**राव बीरेंद्र सिंहः** हमारे साथ भी हुई है।

**चौधरी देवी लालः** आपके साथ भी हुई है। आपको याद होगी वह जेल और वह कोठड़ी जिसमें आप और हम दोनों रहा करते थे और उन ज्यादतियों को मैं भूला नहीं हूं। मुझे और आपको कैदी रहने की वजह से कैदियों की हालत का भी पता है। आपने यह भी सुन लिया होगा कि मैं कैदियों को माफी देकर आया हूं और आपने यह भी सुना होगा कि जिन मुलाजिमों ने एस0पी ने डी0एस0पी0 ने इन्सानियत से गिर कर सलूक किया जैसा कि आपके साथ किया, वहां कोई लिखित हुकम नहीं चलता था और जबानी हुकम चलता था, मैं ऐस अफसरों की एक्सप्लेने ान काल करूंगा उनको सजा दी जाएगी। जिस किस्म की ज्यादती कहीं भी हुई हो वैसी सजा दी जाएगी। नसबंदी का जहां तक ताल्लुक है, इसकी बाबत आपने सुन ही लिया कि जहां भी जैसे पीपली है, गुड़गांव जिला है ऐसे हालता बने इन सब जगहों की तहकीकात करवाई जाएगी। जो मुलाजिम मुजरिम साबित होंगे उन्हें बख्भाा नहीं जाएगा।

बाकी लगान की बाबत 5 एकड़ की मांग थी जोकि हमने सवा छः एकड़ तक लगान माफ कर दिया है। (तालियां)

इसके अलावा सरदार लछमन सिंह जी ने स्कैंडलों के बारे में कहा। सरदार लछमन सिंह जी, इससे भी बहुत बड़े बड़े स्कैंडल हमारे सामने है और सबकी इन्कवायरी होगी। मैं उम्मीद करता हूं कि कोई बच कर नहीं जा सकेगा। इसके अलावा आप लोगों ने जो जो भी डिमांड की है और सुझाव दिये है वह मैं नोट करता रहा हूं उन पर विचार करेंगे।

इसके बाद सब से बड़ी दिक्कत यह है कि हमारे कुद बिल है और मैं अपोजी ान से दर्खास्त करूंगा कि चूंकि यह ऐस बिल है जो या तो पहले आपके आर्डिनेंस की जगह लेने आए है या कुछ दूसरे साधारण बिल है, इसलिए वे इनकी मुखालफत न करें और इनको पास करें

**राव बीरेंद्र सिंहः** 15 तारीख को का लेना

**चौधरी देवी लालः** टाइम एक्सपायर हो जाता है। इसलिये अब मैं आप लोगो का बहुत म ाकूर हूं कि आपने अच्छे सुझाव दिये। मैं अपोजी ान का भी भ्ाुकिया अदा करता हूं कि उन्होंने भी कुछ ऐस सुझाव दियें जो स्टेट के लिए बड़े मुफीद साबित होंगे मैं उन्हें पूरा करूंगा। इन लफजों के साथ मैं गवर्नर साहब का भ्ाुकिया अदा करता हूं जिन्होंने कि अपना एड्रैस इस

हाउस में पे ा किया। इतना कह कर स्पीकर साहब मैं आपकी इजाजत लेकर बैठता हूं।

**Mr. Speaker:** Now, I will put the amendment by Sarvshri Rao Birender Singh, Rao Dalip Singh, Jagjit Singh Pohloo, Inderjit Singh and narain Singh, M.L.As to the vote of the House.

Question is-

That in the motion, the following be added at the end, namely,-

"but regret that no mention has been made-

(a) the completion of the Sutlej-Yamuna Channel according to a time bound programme for utilization of Haryan share of Ravi-Beas water which should have been available to Haryana in 1970;

(b) the speedy implementation of the Union Govt. award on Abohar-Fazilka Areas;

(c) exemption of land holdings upto 5 acres from land tax as had been decided by the Govt. in 1967;

(d) securing control of canal head-works situated in Punjab jointly with the Punjab Govt. to ensure fair distribution of water;

(e) steps to be taken to reduce power rates for agriculture, and to prevent harasment to farmers;

(f) implementation of the Haryana Vidhan Sabha's unanimous resolution passed during rule in 1967 to get the Hindu Succession Act amended so as to provide for the women's share in the father-in-laws ancestral agricultural property instead of father;

(g) prohibition to be declared as Govt.'s policy in accordance with Directive Principkes of State policy enshrined in the Constitution, and to put a stop to the evil of drinking fast spreading in Haryana due to opening of country liquour shops in the Villages;

(h) substaintial enhancement in the emoluments of Safai-Karamcharis employed by the Govt. and Local Bodies in view of the nature of the work;

(i) upgrading of schools in rural areas on a rational basis to provide for increasing need of High and middle schools, and steps to raise the status of teachers as nation-builders;

(j) provision of un-employment allowance to the educated unemployed having obtained technical and professional/degrees diploma if they are not employed within one year of registration with Employment Exchange;

(k) priority in the matter of employment in Govt. service to those whose families do not have any members already in Govt. service and to the physically handicapped persons capable of work".

The motion was lost.

**Mr. Speaker:** Question is-

That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th July, 1977."

The motion was carried.

## दि बीरेंद्र नारायण चकवर्ती यूनिवर्सिटी कुरूक्षेत्र (अमैंडमैंट) बिल, 1977

**Chief Minister (**Chaudhri Devi lal**)** : Sir, I beg to introduced the Birender Naryan Charkravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill, 1977.

I also move-

That the Birendra Narayan Chakaravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Birendra Narayan Chakaravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Birendra Narayan Chakaravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

**Mr. Speaker:** Now the House will take up the Bill clause by clasue.

**CLAUSE 2**

**Mr. Speaker:** I have receivced notice of an amendment from Rao Dalipo Singh. He may please move his amedment.

**Rao Dalip Singh** (Mahendergarth): I beg to move-

In clauses 2,3,4,5,6,1, and short title of the said Bill for the words “Birendra Naryana Chakarav arty University

Kurukshetra", wherever occurring the words "Shree Krishan University Kurukshetra" instead of " Kurukshetra University " be substituted.

स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र वह भमि हैं जहां महाभारत कमा प्रसिद्ध और ऐतिहासिक युद्ध हुआ था। वहां पर श्री कृश्ण जी महाराज ने गीता का उपदे ा दिया था जिसका अनुवाद संसार की सभी भाशाओं में हुआ हैं और बाहर के दे ाों के लोग भी गीता के उपदे ा की प्र ांसा करते हैं और उसे श्रद्धा से पढ़ते हैं। सारे भारत में ही नहीं, सारे संसार में यह स्थान म ाहूर ं है। और हर साल लाखों करोड़ों लोग वहां यात्रा के लिये आते हैं। अभी–अभी यह पर कह गया कि जिस तरह से कृश्ण जी महाराज ने जेल में जन्म लिया था और पाप के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी उसी तरह से इस जनता पार्टी ने जी जेल में ही जन्म लिया हैं और पाप के खिलाफ लडा़ंई लड़ी हैं। इसलिये मेरा इस जनता पार्टी को निवेदन हैं कि इस यूनिवर्सिटा कानाम श्री कृश्ण कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी रख जाए।

**Mr. Speaker**: Motion moved-

In clauses 2,3,4,5,6,1, and short title of the said Bill for the words "Birendra Naryana Chakarav arty University Kurukshetra", wherever occurring the words "Shree Krishan University Kurukshetra" instead of " Kurukshetra University " be substituted.

**मुख्य मंत्री** (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र के साथ श्री कृश्ण जी महाराज का नाम आटोमैटिकली जुड़ा हैं।

गो हमें कोई एतराज नहीं लेकिन फिर से इस यूनिवर्सिटी का नाम लम्बा चला जायेगा जैसे कि पहले बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती इसके साथ लगा हुआ था। मैं समझता हूं कि नाम छोटा और आसान होना चाहिये जो आसानी से लिया जा सके। कुरूक्षेत्र हिन्दुस्तान का ऐतिहासिक तीर्थ हैं और मेरा ख्याल हैं कि इस यूनिवर्सिटी ही होना चाहिये।

**Mr. Speaker:** Question is-

In clauses 2,3,4,5,6,1, and short title of the said Bill for the words "Birendra Naryana Chakarav arty University Kurukshetra", wherever occurring the words "Shree Krishan University Kurukshetra" instead of " Kurukshetra University " be substituted.

the motion was lost.

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 2 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

**CLAUSE 3**

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 3 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

**CLAUSE 4**

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 4 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

**CLAUSE 5**

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 5 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

**CLAUSE 6**

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 6 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

**CLAUSE 7**

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 7 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

**CLAUSE 1**

**Mr. Speaker:** Question is –

That cluse 1 stand p[art of the Bill.

the motion was carried.

ENACTING Formula

**Mr. Speaker:** Question is-

that the Enaction Formula be the Ecactin gFormula of the Bill.

The motion was carried.

**TITLE**

**Mr. Speaker:** Question is-

that the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

**Chief Minister** (Ch. Devi Lal): Sir, I beg to move-

That the Birendra Narayan Chakaravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill be passed.

**Mr. Speaker:** Motion was moved-

That the Birendra Narayan Chakaravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill be passed.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Birendra Narayan Chakaravarty University Kurukshetra (Amendment) Bill be passed.

The motion was carried.

## दि रोहतक यूनिवर्सिटी (सैंकिड अमैंडमैंट) बिल, 1977

**Chief Minister** (Ch. Devi Lal): Sir, I beg to introduce the Rohatk University (Second Amendment) Bill, 1977.

That the Rohtak university (Second Amendment ) Bill be taken in to consideration at once.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Rohtak university (Second Amendment ) Bill be taken in to consideration at once.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Rohtak university (Second Amendment ) Bill be taken in to consideration at once.

The motion was carried.

**Mr. Speaker:** Now the House will take up the Bill clause by clause.

**Clause 2**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

**Clause 3**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 3 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Clause 4**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 4 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Clause 5**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 5 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Clause 6**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 6 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Clause 1**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 1 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Enacting Formula**

**Mr. Speaker:** Question is -

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

**Title**

**Mr. Speaker:** Question is -

That the the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

**Chief Minister** (Ch. Devi Lal): Sir, I beg to move-

That the Rohtak University (Second Amedment) Bill be passed.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Rohtak University (Second Amedment) Bill be passed.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Rohtak University (Second Amedment) Bill be passed.

The motion was carried.

# दि हरियाणा कैनाल एंड ड्रेनेज (अमैंडमैंट) बिल, 1977

Irrigation and Power Minister (Sh. Verender Singh): Sir, I beg to introdece the Haryana canal and Drainage (Amendment) Bill, 1977.

I also move-

That the Haryana Canal and Draingae (Amednment) Bill be taken into considration at once.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Haryana Canal and Draingae (Amednment) Bill be taken into considration at once.

**Mr. Speaker:** Now the House will take up the Bill clause by clause.

**Sub-clause (2) of clause 1**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 2 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Clause 2**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 2 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Sub-clause (1) of clause 1**

**Mr. Speaker:** Question is-

That sub-clause (1) of clause 1 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Enacting Formula**

**Mr. Speaker:** Question is

That the Enacting Formula be thge Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

**Title**

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Irrigation and Power Minister ( Sh. Verender Singh): Sir, I beg to move-

That the Haryana Canal and Drainage (Amendment ) Bill be passed.

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Haryana Canal and Drainage (Amendment ) Bill be passed.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Haryana Canal and Drainage (Amendment ) Bill be passed.

The motin was carried.

## दि हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली अलाउसिन्ज ऐंड पैं ान आफ मैंम्बर्ज सैंकिड अमैंडमैंट बिल, 1977

**मुख्य संसदीय सचिव** (श्री जगन्नाथ): अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैं ान) द्वितीय सं ाोधन विधेयक 1977 पुरःस्थापित करता हूं।

मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैं ान) द्वितीय सं ाोधन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

**Mr. Speaker:** Motion moved-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of members) Second Amendment Bill be taken into consideration at once.

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of members) Second Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

**Mr. Speaker**: Now the House will take up the Bill clause by clause.

**Clasue 2**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 2 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Clasue 1**

**Mr. Speaker:** Question is-

That clause 1 stands part of the Bill.

The motion was carried.

**Enaction Formula**

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was caried.

**Title**

**Mr. Speaker:** Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was caried.

**मुख्य संसदीय सचिव** (श्री जगन्नाथ): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि हरियाणा विधान सभा (सदस्य भत्ता तथा पैन ान) द्वितीय सं ाोधन विधेयक पारित किया जाए।

**Mr. Speaker:** - Motion is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of members Second Amendment Bill be passed.

The motion was caried.

**Mr. Speaker:** - Question is-

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of members Second Amendment Bill be passed.

The motion was caried.

**राव बीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, जो बिल आप पास कर रहे हैं, ये पेपर पर ही हैं, पहले से मेम्बरों को पढ़ने के लिए मिलने चाहिए ताकि जनता को पता लगें। जनता को पता भी न लगे कि क्या पास हो रहा हैं, उनको पढ़ने को न मिले तो ठीक नहीं हैं। अगर ऐसे ही काम चलेगा तो पास करवाने की क्या जरूरत हैं?

**मुख्य मंत्री** (चौधरी देवी लाल): आयंदा ऐसी गलती नहीं होगी।

# दि हरियाणा अर्बन (कन्ट्रोल आफ रैंट एंड एविक ान) अमैंडमैंट बिल, 1977

**Transport Minister** (Sh. Preet Singh): Sir, the Government has decided not to introduce thsi Bill in this session.

**(16.00 बजे)**

**Mr. Speaker:** The House stands adjourned sine-die.

(The Sabha then* adjourned sine-die)